mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-183 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

05 जुलाई 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

नोवाक जोकोविच...

@ पेज 7

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि अंतरण का राज्य स्तरीय समारोह

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शिक्षा मनुष्य के समग्र विकास की धुरी है और 'सबको शिक्षा' ही राज्य सरकार का विकास मंत्र है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के हरसंभव प्रयास किए हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को नई तकनीक और नई शिक्षा पद्धति से जोड़कर उनके उज्जवल भविष्य की नींव भी रखी जा रही है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर हम प्रदेश का एक बेहतर और स्वर्णिम भविष्य गढ़ने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में लैपटॉप प्रोत्साहन राशि अंतरण के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले प्रदेश के 94,234 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने के लिए 235 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। योजना के तहत लैपटॉप खरीदने के लिए प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को 25-25 हजार रुपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए उनके बैंक खातों में सिंगल क्लिक के जरिए

हस्तांतरित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगले साल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के स्थान पर 25 हजार रुपए मूल्य के और अधिक गुणवत्ता वाले अपडेटेड लैपटॉप देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने मंच से 15 मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने खुद सेल्फी लेकर सभी बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रतिभाओं को सम्मान देना और स्वर्णिम भविष्य की संभावनों को पोषित करना और हर संभव सहायता करना प्रदेश सरकार का दायित्व है। योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले जिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि दी गई है, उनमें 60 प्रतिशत छात्राएं और 40 प्रतिशत छात्र शामिल हैं।

अहमदाबाद प्लेन हादसा, आरोप-एयरलाइन मुआवजा देने से बच रही

नई दिल्ली/लंदन (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है। फर्म के एडवोकेट पीटर नीनन ने कहा है कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया है। नीनन ने कहा कि एअर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एअर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर लगभग 1,050 करोड़ रुपए बचाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं। अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन क्रैश 12 जून को हुआ था। उस वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा, जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी। इस तरह इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी।

कोलकाता लॉ स्टूडेंट गैंगरेप केस-क्राइम सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज पहुंची थी।

तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया। पुलिस के अफसर ने बताया कि जो नतीजे मिले हैं, उनसे अब महिला के आरोपों से जांच की जाएगी और बाकी सबूतों से पुष्टि की जाएगी। सुरक्षा गार्ड पिनाकी को दोपहर बाद अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक है। मामले की जांच फिलहाल कोलकाता पुलिस का डिटेक्टिव डिपार्टमेंट कर रहा है। घटना 25 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी के कस्बा क्षेत्र में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई। 5 दिन बाद, 30 जून को कोलकाता पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को 12 घंटे से भी कम समय में गिरफ्तार किया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा।

उप सेना प्रमुख बोले-ऑपरेशन सिंदूर के समय दुश्मन 3 थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को कहा, %ऑपरेशन सिंदूर के वक्त बॉर्डर एक और दुश्मन 3 थे। पाकिस्तान मोर्चे पर था। उसके पास 81त्न सैन्य हार्डवेयर चीनी है। चीन हरसंभव मदद कर रहा था। चीन ने पाकिस्तान को हथियार दिए और हमें हथियारों की लैब टेस्टिंग के तौर पर यूज किया। इसके अलावा, हमारे हर कदम की रियल टाइम जानकारी पाकिस्तान के साथ शेयर की। तुर्किये ने भी बैराकटर समेत दूसरे ड्रोन दिए। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें कई महत्वपूर्ण सबक सिखाए।

आसाराम की जमानत एक महीने और बढ़ाई गई

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने गुरुवार को दुष्कर्म के एक मामले में 86 साल के आसाराम की जमानत एक और महीने के लिए बढ़ा दी है। वे दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा जोधपुर जेल में काट रहे हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 31 मार्च तक मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी थी। निर्देश दिया था कि आगे की राहत के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगा सकता है। इसके बाद से उनकी जमानत दो बार बढ़ चुकी है। तब से वे बाहर हैं। उनकी जमानत 7 जुलाई को खत्म हो रही थी। इसके पहले वे गुजरात हाईकोर्ट पहुंच गए, जहां उनकी जमानत फिर से 7 अगस्त तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह आसाराम की जमानत का आखिरी एक्स्टेंशन होगा। आसाराम के दुष्कर्म के मामले को ऐसे समझें जोधपुर में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में आसाराम के खिलाफ 15 अगस्त 2013 को केस दर्ज किया गया था। उन्हें 31 अगस्त को इंदौर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से ही वे जोधपुर की सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। करीब 11 साल जेल में रहने के बाद 7 जनवरी, 2025 क उन्हें सुप्रीम कोर्ट से पहली बार जमानत दी गई थी। इसके बाद से ही आसाराम जमानत पर हैं। जनवरी 2013 में गांधीनगर की एक अदालत ने भी आसाराम को एक शिष्या के साथ लगातार दुष्कर्म करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

हिमाचल के 10 जिलों में भारी बारिश का रेड-अलर्ट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 6 जुलाई को बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दिन कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिला में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट दिया गया है। ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू, शिमला और सोलन में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट की चेतावनी दी गई है।

वहीं अगले कल कांगड़ा और मंडी जिला में ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। चंबा, शिमला, कुल्लू और सिरमौर में यलो अलर्ट है। 7 जुलाई को 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। यह चेतावनी किन्नौर और लाहौल स्पीति को छोड़कर अन्य सभी जिलों के लिए दी गई है। 8 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, मंडी, शिमला और सिरमौर जिला में भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में कल से अगले 4 दिन भारी बारिश होगी। इसे देखते हुए सभी को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। इस दौरान नदी नालों व लैंडस्लाइड क्षेत्रों में नहीं जाने, अनावश्यक यात्रा टालने की सलाह दी गई है। मानसून की एंट्री के बाद से अब तक सामान्य से 55 प्रतिशत ज्यादा और बीते एक हफ्ते में नॉर्मल से 171 फीसदी ज्यादा बादल बरसे हैं। मंडी जिला में सामान्य से 456 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है।

रीवा के लोहा चोर! सड़क निर्माण कंपनी के कैंप में घुसे, कम्पनी के कर्मचारियों पर चोर गिरोह का हमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है. ताजा मामला रीवा के सगरा थाना क्षेत्र का है, जहां दिन के उजियारे में शहरी बाईपास सड़क निर्माण कर रही के सी सी कम्पनी से सरिया चोरी का मामला सामने आया है जहां बदमाश पहले निर्माण कर रही कम्पनी के प्लांट से सरिया चोरी करते पकडे गए तो बाद में जब निर्माण कर रही कम्पनी के कर्मचारी उन्हें पकड़ लिया तो दर्जनों की तादात में चोर गिरोह हमला कर दिया जिसमे कम्पनी के कई कर्मचारी घायल हो गए है सूचना मिलते ही थाना प्रभारी वि वि भी तत्परता दिखते हुए घटना स्थल से चोरो को हिरासत में ले लिया है जिसके बाद उन्हें सगरा थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

सड़क निर्माण कंपनी के कैंप में घुसे अपराधी- मिली जानकारी के मुताबिक सगरा थाना क्षेत्र के बयपास में एक सड़क निर्माण कंपनी के कैंप में पड़े कई क्विंटल सरिया के टुकड़े आटो में भर लिया गया. घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि इस दौरान कैंप में मौजूद कर्मचारियों ने चोरी करते देखा तो चोरो ने पहले तो भागने का प्रयास किया लेकिन कर्मचारियों की सतर्कता के कारण एक चोर को पकड़ने में सफलता हासिल कर ली गई जिसके बाद अपने पीएमओ को सूचना दी जहाँ पीएम के पहुंचने से पहले ही दर्जनों चोर गिरोह ने मिलकर हमला कर दिया लेकिन मामला जानने के बाद आसपास के अन्य कर्मचारियों ने बीच बचाव कर ज्यादा तर चोरो को पकड़ लिया उन्ही मे से एक दो चोर मोके का फायदा उठा कर फरार हो गए इस घटना में कम्पनी के कई कर्मचारी घायल हो गए है।

दरअसल शुक्रवार की सुबह आधा दर्जन बदमाशों ने घात लगाकर केसीसी कंपनी के प्लांट में प्रवेश किया जहां से वह सरिया चोरी करने का असफल प्रयास करने में जुट गए इस दौरान उनकी यह करतूत कंपनी के कर्मचारियों ने देख लिया तब कर्मचारियों के द्वारा इसका विरोध किया गया परंतु कर्मचारियों के विरोध से परेशान चोरों ने उन पर हमला कर दिया तब कई लोगों ने मिलकर बीच बचाव करते हुए मामले को शांत कराया तथा चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया

जानकारी के मुताबिक कंपनी के भीतर घुसकर चोरी करने वाले इन्हीं चोरों ने पिछले कई दिनों से क्षेत्र में आतंक मचाया हुआ है तथा आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं वहीं पूर्व में कई बार कंपनी के प्लांट से भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था मगर हर बार वह बच जाते थे तथा शुक्रवार को लोगों की पकड़ में आ गए जिसके बाद इनके खिलाफ कंपनी के द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं -ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिमें विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है। विवेकानंद को एक 'संत-देशभक्त' बताते हुए बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को

कोलकाता में एक संपन्न परिवार में हुआ था। चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था। बनर्जी ने कहा, ''स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है।

विदेश में रोजगार के लिए वेबसाइट और मोबाइल ऐप विकसित करेगी सरकार-मुख्यमंत्री सुक्खू

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बृहस्पतिवार को श्रम एवं रोजगार विभाग को विदेश में रोजगार के अवसर तलाश रहे युवाओं को सशक्त बनाने के लिए यहां एक वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल मंच पर उम्मीदवारों का व्यापक डेटा संकलित किया जाएगा, जिससे विदेशों में नौकरी हासिल करते समय बेहतर पारदर्शिता, पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने विभाग को राज्य के अनिवासी भारतीय (एनआरआई) का डेटा विकसित करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश के लिए

प्रभावी रणनीति तैयार करने के लिए केरल और तेलंगाना के विदेशी रोजगार मॉडल का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में विदेश जाकर रोजगार करने वालों की दर सबसे अधिक केरल में है, जहां प्रति एक हजार में से 57.94 व्यक्ति विदेश में काम कर रहे हैं

पहली महिला फाइटर पायलट बनीं सब-लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना में पहली बार एक महिला को फाइटर पायलट बनाया गया है। सब-लेफ्टिनेंट आस्था पुनिया इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली महिला हैं। इससे पहले नौसेना में महिलाओं को केवल टोही विमान और हेलीकॉप्टर उड़ाने का मौका मिला था, लेकिन अब आस्था लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला पायलट बन गई हैं। भारतीय नौसेना देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और आस्था की इस भूमिका से नौसेना की ताकत और भी बढ़ जाएगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी नौसेना ने सोशल मीडिया पर भी साझा की है।

इंडियन नेवी ने अपने आधिकारिक एक्स

(पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर आस्था पुनिया की तस्वीर के साथ एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में लिखा गया है कि नेवल एविएशन के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है।

ओडिशा भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान गिरफ्तार

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भुवनेश्वर नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर की पिटाई मामले में भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान की गिरफ्तार हुई है। उन्होंने गुरुवार शाम पुलिस के सामने सरेंडर किया। अब तक मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। प्रधान ने कहा- मैं जांच में सहयोग करने के लिए आया हूं। अगर मेरी गिरफ्तारी से मामला हल हो जाता है तो मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, भाजपा नेता पर आरोप है कि उनके समर्थकों ने के एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर साहू की जनसुनवाई के दौरान पिटाई कर दी थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में 6-8 लोग साहू को गालियां देते और लगातार घूंसे मारते दिख रहे थे।

भाजपा नेता सिरोया ने सिद्धरमैया पर कोविड-19 टीकों को लेकर फर्जी खबर फैलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद लहर सिंह सिरोया ने राज्य के हासन जिले में दिल के दौरे से हुई मौत की घटनाओं को कोविड-19 टीकों से जोड़ने संबंधी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की हालिया टिप्पणियों के मद्देनजर उन कर फर्जी खबर फैलाने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कटाक्ष किया कि ''असंतोष पैदा करने वाली गतिविधियों का कोई

टीका नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा था कि हासन जिले में हाल में दिल के दौरे से हुई मौत की घटनाएं टीकाकरण अभियान से जुड़ी हो सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि टीकों को जल्दबाजी में मंजूरी दी गई थी। भाजपा सांसद ने सिद्धरमैया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार फर्जी खबरों के प्रचार और प्रसार के खिलाफ सात साल की जेल की सजा और जुर्माने सहित कड़े कानून की बात कर रही है।

विचारधारा न पसंद आए तो लोगों को नक्सली कहने का चलन बढ़ा है-शरद पवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ रहा है।

पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही। विधान परिषद सदस्य कायंदे ने बुधवार को विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा में घुसपैठ कर

ली है और वे वारकरियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। पवार ने बृहस्पतिवार को कहा, मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है। लेकिन जिन दो संगठनों के नाम मीडिया में आए हैं, उनमें से एक है लोकायत। मैंने लोकायत का काम देखा है। पवार ने कहा, '' इस संगठन का दृष्टिकोण आधुनिक है और पिछले कई सालों से रूढ़िवादिता के खिलाफ काम कर रहा है।

वे नक्सली नहीं हैं। अगर किसी का काम या विचारधारा स्वीकार नहीं है तो उसे नक्सली करार देने का चलन बढ़ रहा है। पवार ने कहा कि पुणे में एल्गार परिषद (31 दिसंबर 2017) और कोरेगांव भीमा (एक जनवरी 2018) में जाति हिंसा के बाद माओवादियों के साथ संबंध रखने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने दावा किया, ''यहां भी यही हो सकता है (वारी का जिक्र करते हुए)। आज, राज्य सरकार उन विचारधाराओं के लिए लोगों को नक्सली करार दे रही है, जो उसे स्वीकार नहीं।''

मुख्यमंत्री ने रीवा से वर्चुअली अनूपपुर जिले को दी 443.31 करोड़ रुपए की सौगात

लाड़ली बहनों को मिलेगा 250 रुपए का रक्षाबंधन का नेग, दीवाली के बाद 1500 रुपए आयेगी राशि

मुख्यमंत्री ने कहा बदलते दौर के मध्यप्रदेश में सभी क्षेत्रों में हम समान रूप से आगे बढ़ रहे हैं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि बदलते दौर के मध्यप्रदेश में हम सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रहे हैं। गरीब, युवा, किसान व महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सावन के महीने में लाड़ली बहनों को 250 रुपए का रक्षाबंधन का नेग मिलेगा। दीवाली के बाद लाड़ली बहनों को 1500 रुपए की किश्त प्रतिमाह उनके खाते में पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने रीवा से वर्चुअल माध्यम से कोतमा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर अनूपपुर जिले के 443.31 करोड़ रुपए के 114 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अनूपपुर जिले में विकास कार्यों से प्रगति के द्वार खुलेंगे। सोन बैराज परियोजना किसानों के लिए बड़ी सौगात होगी। उन्होंने कहा कि अमरकंटक नर्मदा जी के साथ सोन एवं जुहिला नदी का उ–म स्थल है। राम, सीता व लक्ष्मण जी के वनवास काल में यात्रा का रामपथ गमन विकसित व भव्य बनाया जाएगा। अनूपपुर जिले में इस मार्ग को भी भव्य व विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनूपपुर जिले में स्मार्ट क्लास का संचालन शिक्षण सुविधाओं के लिए एक उदाहरण है। उससे अन्य जिले भी प्रेरणा लेंगे। अमरकंटक में निर्मित झूला पुल हमें लक्ष्मण झूले की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा जी के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश फल-फूल रहा है। नर्मदा परिक्रमा पथ में नर्मदा यात्रियों की सुविधाओं के लिए घाट व छाया स्थल एवं अन्य सुविधाएँ विकसित की जायेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को दुग्ध क्रांति के माध्यम से देश का प्रथम दुग्ध उत्पादक प्रदेश बनाया जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है साथ ही शासकीय कर्मचारियों को जुलाई माह में प्रमोशन देने का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। दो करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और अब प्रति व्यक्ति आय एक लाख 52 हजार रुपए हो गई है। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी वृहद परियोजना, सोन-मोहारी माइक्रो इरिगेशन योजना तथा कटना नदी पर बांध निर्माण की घोषणा की। उन्होंने बिजुरी में आउटडोर स्टेडियम, जैतहरी स्टोरेज वेयर में कराए जाने वाले कार्यों तथा खाटी में विद्युत सब स्टेशन निर्माण की घोषणा की। रीवा से वर्चुअल संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री जी के साथ विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी तथा पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री का रीवा एयरपोर्ट में हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का रीवा एयरपोर्ट पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री सिंगरौली जिले के सरई में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। रीवा एयरपोर्ट में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, डीआईजी राजेश सिंह, कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर कमिश्नर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर द्वारा रवाना हुए।

मुख्यमंत्री ने लोगों से की आत्मीय मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने रीवा प्रवास के दौरान पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित स्थानीय व प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा। मुख्यमंत्री जी को देखकर समान मोहल्ला संजय नगर के निवासियों व बच्चों ने फोटो खिचवाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री जी ने सहर्ष सभी से आत्मिक भाव से मुलाकात करते हुए फोटो खिचवाई।

सीएम ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटाप की राशि अंतरित की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल से प्रदेश के 94 हजार से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटाप की राशि का अंतरण किया। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 25 हजार रुपए की राशि लैपटाप के लिए उनके खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि भविष्य की प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए शासन संकल्पित है। हमारी सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए हर प्रकार की सुविधाएं व सहायता मुहैया कराई जा रही हैं। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, शैक्षणिक शुल्क, स्कूटी, साइकिल, पुस्तकें आदि प्रदान कर बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सरकार आपके साथ खड़ी है। आप अपने प्रदेश को प्यार करें और अपनी प्रतिभा से जिले, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारा देश विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। सभी के सहयोग से हम इस संकल्प को प्राप्त कर सकेंगे।

लैपटाप राशि अंतरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक मार्तण्ड क्रमांक एक स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि शासन द्वारा प्रदत्त की गई राशि से सभी विद्यार्थी अनिवार्यतः लैपटाप क्रय करें और इसका सुदपयोग करें। यह ज्ञान के संवर्धन का बड़ा माध्यम है। उन्होंने अपेक्षा की कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर विद्यार्थी अपनी शिक्षा को और निखार सकेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से देश, प्रदेश व जिले का नाम रोशन करें। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश की तकदीर व तस्वीर बदली है। पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता ने प्रतिभाशाली बच्चों को बधाई दी और उनके उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने बेटियों के अधिक संख्या में लैपटाप प्राप्त करने पर बधाई देते हुए छात्रों को भी उनके बराबर आने का आह्वान किया।

अपने उद्बोधन में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सामने किसी भी प्रकार की परिस्थिति बाधा उत्पन्न नहीं कर सकती। अपना लक्ष्य निर्धारित करें और लैपटाप के माध्यम से अपने प्रश्नों का समाधान करें। इसमें सभी विकल्प और रिसोर्स मैटेरियल उपलब्ध हैं। इसका विवेक से इस्तेमाल करें और बेहतर सदुपयोग करते हुए आगे बढ़ें। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन जिला शिक्षा अधिकारी विनय मिश्रा ने दिया। उल्लेखनीय है कि भोपाल के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में रीवा जिले के छात्र अंकुर यादव व आर्यन पाण्डेय को मुख्यमंत्री जी द्वारा लैपटाप प्रदान किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्राचार्य वरूणेन्द्र सिंह सहित अन्य विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

उप मुख्यमंत्री आज सागर होकर जाएंगे भोपाल: उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल 5 जुलाई को प्रातः 8 बजे निज निवास रीवा से कार द्वारा सागर प्रस्थान करेंगे। शुक्ल दोपहर 2 बजे सागर में रावतपुरा सरकार वेदांती आश्रम में सदगुरू प्राकट्य महोत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होकर दोपहर बाद 3.30 बजे भोपाल रवाना हो जाएंगे।

सतना के प्राथमिक स्कूल में रसोइया पर गिरा छत का प्लास्टर

कमर में चोट, जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के सिंहपुर स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार दोपहर एक हादसे में स्कूल की रसोइया सावित्री सोनी पर छत का प्लास्टर गिर गया, जिससे उनकी कमर में चोट आई और वे बेहोश हो गईं। स्कूल जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर है। घटना के समय सावित्री बच्चों के लिए कढ़ी बना रही थीं। प्लास्टर गिरने से वे मौके पर ही गिर पड़ीं और बेहोश हो गईं। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। विद्यालय की प्रभारी हेडमास्टर रोशनी गर्ग और सरपंच रामशिरोमणि कोरी ने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी। स्कूल में 25 छात्राएं पढ़ती हैं और दो शिक्षिकाएं पढ़ाती हैं। इसी भवन के दूसरे कमरे में आंगनबाड़ी केंद्र भी चलता है, जहां हादसे के समय 59 बच्चे मौजूद थे। स्कूल की स्थापना 2012 में हुई थी, और मध्याह्न भोजन की जिम्मेदारी देवकी महिला स्व-सहायता समूह को दी गई है, जिसमें सावित्री सोनी और किरण कोरी रसोइया हैं। जिला परियोजना समन्वयक विष्णु त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि इतने कम समय में भवन जर्जर कैसे हो गया। यदि भवन असुरक्षित पाया गया, तो छात्राओं की सुरक्षा के लिए उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। घटना के बाद स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर टमाटर से भरा ट्रक पलटा, लगा जाम

जाम से वाहनों की लगी लंबी कतार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले में शुक्रवार सुबह स्टेट हाईवे सतना-चित्रकूट मार्ग पर पापरचुआ मोड़ के पास टमाटर से भरा एक ट्रक पलट गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं।

मझगवां थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ट्रक को खाली कराने में जुट गई। टीआई आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटाया जाएगा। पुलिस छोटे वाहनों को एक-एक कर किनारे से निकाल रही है, जबकि बड़े वाहनों को रोक दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, हादसा तब हुआ जब बेंगलुरु से लखनऊ जा रहा ट्रक चालक सामने से आ रही गाड़ी को साइड देने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान ट्रक सड़क से नीचे उतर गया और बेकाबू होकर पलट गया। पुलिस यातायात बहाल करने के लिए तेजी से काम कर रही है।

रीवा में गोंड गैंग का पर्दाफाश, 12 चोरियों का हुआ खुलासा

16 लाख रुपये का सामान बरामद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में पुलिस ने गोंड गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार कर 12 चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश किया है। इस गैंग ने न केवल रीवा, बल्कि सीधी और मऊगंज जिलों में भी कई चोरियों को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर ?16 लाख कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, ?53,000 नकद और तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनका उपयोग चोरी की वारदातों में किया जाता था।

रीवा जिले में लगातार हो रही नकबजनी की घटनाओं के बाद पुलिस को गोंड गैंग की संलिप्तता की जानकारी मिली थी। एसपी विवेक सिंह ने डीएसपी हिमाली पाठक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की, जिसमें गोविंदगढ़ थाना प्रभारी अरविंद राठौर और गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव शामिल थे। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों नागेंद्र गोंड, अमर गोंड, पवन गोंड और धीरज गोंड को गिरफ्तार किया। पूछताछ में गैंग ने गोविंदगढ़ और गुढ़ थाना क्षेत्रों में 12 से अधिक चोरियों की बात कबूल की, जिनमें 10 गोविंदगढ़ और 2 गुढ़ थाना क्षेत्र की हैं। इसके अलावा, रायपुर कर्चुलियान, सीधी और मऊगंज जिलों में भी चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, गोंड गैंग का तरीका सुनियोजित था। ये बदमाश मजदूरी के बहाने गांवों में जाकर रेकी करते थे और सुनसान घरों को निशाना बनाते थे। रात के समय सेंधमारी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। वे खिड़कियों या दरवाजों को धीरे-धीरे खोलकर बिना शोर किए घरों में घुसते थे। चोरी का सामान वे अपने गांव या अलग-अलग ठिकानों पर छिपाते थे, जो बिखरे हुए और सुनसान स्थानों पर थे।

एसपी विवेक सिंह ने बताया कि गैंग के सदस्यों का आपराधिक इतिहास रहा है और पिछले दो साल से पुलिस की नजर इन पर थी। इस सफलता के लिए पुलिस टीम की सराहना की गई है। अन्य थाना क्षेत्रों की पुलिस भी आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे और खुलासे होने की संभावना है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रीवा मेडिकल कॉलेज में जोरदार धमाका, मची भगदड़, डीन चेंबर छोड़कर भागे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के श्यामशाह मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अचानक एक जोरदार धमाका हुआ। धमाका डीन चेंबर के दूसरी तरफ पोस्ट ऑफिस के पास बिजली के पैनल में हुआ, जिसकी गूंज से पूरा कॉलेज परिसर हिल गया। धमाके के बाद परिसर धुएं से भर गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। धमाके की आवाज सुनते ही डीन अपने चेंबर से दौड़कर बाहर भागे और बाहर जाकर रुके। बाद में पता चला कि धमाका बिजली की लाइन में शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ, जिससे पैनल में आग लग गई। कर्मचारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि आग पास रखे सामान तक नहीं पहुंची, वरना पूरा मेडिकल कॉलेज आग की चपेट में आ सकता था।

जानकारी के अनुसार, श्यामशाह मेडिकल कॉलेज की बिजली लाइनें काफी पुरानी हैं और उनकी क्षमता भी कम है। हाल के वर्षों में हर कमरे में एसी का लोड बढ़ने से बिजली लाइनों पर दबाव दोगुना हो गया है, लेकिन लाइनों को बदला नहीं गया। इस वजह से आए दिन शॉर्ट सर्किट और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। शुक्रवार का धमाका भी इसी लापरवाही का नतीजा था।

कॉलेज प्रबंधन की इस लापरवाही से छात्रों और कर्मचारियों की जान खतरे में है। बार-बार होने वाले ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रबंधन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। अगर समय रहते बिजली लाइनों को अपग्रेड नहीं किया गया, तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

रीवा में मॉडिफाइड साइलेंसर और तेज रफ्तार बाइक से स्टंट, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए खतरनाक स्टंटबाजी का चलन बढ़ रहा है। ताजा मामला सिरमौर चौराहा फ्लाईओवर का है, जहां एक युवक ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिल को तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए 'नागिन' की तरह लहराते हुए वीडियो बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड किया। वीडियो के वायरल होने के बाद अमैया पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को बाइक सहित थाने बुलाया और उसका चालान काटा।

पुलिस के अनुसार, युवक, जिसका नाम राज जायसवाल है, ने इंस्टाग्राम पर 'राज जायसवाल 9630' नामक आईडी से यह वीडियो शेयर किया था। वीडियो में वह बरसात के मौसम में तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाते हुए दिखाई दे रहा है। अमहिया पुलिस की आईटी टीम ने इस वीडियो पर नजर रखते हुए युवक को पकड़ा और उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज किया। साथ ही उसकी मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया। पूछताछ के दौरान युवक ने पुलिस से माफी मांगते हुए वादा किया कि वह भविष्य में इस तरह की स्टंटबाजी नहीं करेगा और न ही ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करेगा।

अमैया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए युवा इस तरह के खतरनाक स्टंट कर रहे हैं, जो उनकी और दूसरों की जान के लिए खतरा है। पुलिस की आईटी सेल ऐसी गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बाइक राइडर्स से अपील की कि वे तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन न चलाएं, ताकि न खुद की और न ही दूसरों की जान को खतरे में डाला जाए। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस तरह की स्टंटबाजी करने वालों या सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो अपलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रीवा, सतना तथा सिंगरौली नगर निगमों के कार्यों की कमिश्नर करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में रीवा, सतना तथा सिंगरौली नगर निगमों के निर्माण कार्यों, शासन की प्राथमिकता वाली विभिन्न योजनाओं, विभागीय गतिविधियों एवं बाढ़ की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई है। इस संबंध में संयुक्त आयुक्त सुदेश कुमार मालवीय ने बताया कि नगर निगम रीवा की बैठक नगर निगम सभागार रीवा में 7 जुलाई को, नगर निगम सतना की बैठक नगर निगम सभागार सतना में 9 जुलाई को तथा नगर निगम सिंगरौली की बैठक नगर निगम सभागार सिंगरौली में 12 जुलाई आयोजित की गई हैं।

हरनामपुर में ट्रक की टक्कर से तीन गायों की मौत, लोगों ने जाम किया मैहर-बरही रोड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के हरनामपुर में गुरुवार रात एक ट्रक ने ओवर ब्रिज के नीचे बैठी तीन गायों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने ट्रक को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ाकर भाग निकला।

घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक संगठनों के लोग मौके पर पहुंचे और मैहर-बरही मार्ग जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर दोषी चालक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खोला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि ब्रिज के नीचे की सर्विस लेन खराब होने के कारण ट्रक विपरीत दिशा से आते-जाते हैं, जिससे पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद न तो सड़क की मरम्मत की गई और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई। उन्होंने प्रशासन से सड़क सुधार और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सतना में हथियार लहराकर रील बनाने का खतरनाक ट्रेंड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में एक खतरनाक ट्रेंड तेजी से फैल रहा है, जहां युवा हथियारों के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। ताजा मामला सतना शहर का है, जहां एक युवक ने खुलेआम कट्टा लहराते हुए बाइक पर सवार होकर शहर की सड़कों पर स्टंट किया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हरकत का वीडियो उसने स्वयं बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। यह वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिससे शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और वीडियो की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल समाज के लिए खतरा हैं, बल्कि युवाओं को गलत दिशा में ले जा रही हैं। पुलिस प्रशासन से ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है, ताकि इस खतरनाक ट्रेंड पर रोक लग सके।

मुख्यमंत्री ने सिंगरौली जिले के सरई में महिला सशक्तिकरण तथा आदिवासी गौरव सम्मेलन का किया शुभारंभ

‘सिंगरौली नक्शे में दूर है पर मेरे दिल के सबसे करीब’

बरिगवां से परसौना तक फोरलेन सड़क, सरई में एसडीएम कार्यालय तथा 100 बिस्तर अस्पताल

एवं माड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

गुरू पूर्णिमा में प्रदेश भर में स्कूलों के लिए भवन, सड़क और अन्य निर्माण कार्यो का होगा लोकापर्ण

संदीपनि ऋषि ने कृष्ण को शिक्षा दी, हम संदीपनि स्कूलों से लाखों कृष्ण बनायेंगे

सिंगरौली में 9 हजार आदिवासी परिवारों को मिले है वनाधिकार पट्टे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली जिले के सरई में आयोजित महिला सशक्तिकरण तथा आदिवासी गौरव सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में 503 करोड़ रूपये की लागत के 54 निर्माण कार्यो का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगरौली प्रदेश के नक्शे में भोपाल से दूर है लेकिन मेरे दिल के सबसे करीब है। सिंगरौली के विकास में कोई कोर कसर नहीं रखी जायेगी। सिंगरौली में 9 हजार अनुसूचित जनजाति परिवारों को वनाधिकार पट्टे का लाभ दिया गया है। धरती आबा योजना, जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनओं से लाखों जनजाति परिवार लाभ उठा रहे हैं। सिंगरौली मे देश में कोयले की सबसे मोटी परत है। सिंगरौली देश की उर्जाधानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरगवां से परसौना तक फोरलेन सड़क बनाई जायेगी। सरई में एसडीएम कार्यालय और 100 बिस्तरों का अस्पताल परीक्षण करके बनाया जायेगा। माड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन किया जायेगा। सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे के निर्माण में लापरवाही बरतने वाली एजेंसी का ठेका समाप्त कर दिया गया है। नई एजेंसी तय करके टेण्डर की कार्यवाही कर दी गई है। बरसात के बाद इस सड़क का तेजी से निर्माण कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार ने प्रदेश के 94 हजार प्रतिभावान विद्यार्थियों को लैपटाप की राशि प्रदान की है। जिन बच्चों ने 12वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं उन्हे लैपटाप दिया गया है। शिक्षा के विकास के लिए हमने दो साल में 15 हजार विद्यार्थियों को स्कूटी दी है। शिक्षा के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं रखी जाएगी। गुरू पूर्णिमा पर स्कूल भवनों और सड़कों का लोकापर्ण पूरे प्रदेश में किया जायेगा। कक्षा नौवीं और कक्षा छठवीं के विद्यार्थियो को निःशुल्क साइकिल दी जा रही है। भगवान कृष्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए उज्जैन के संदीपनि आश्रम आये थे। महाऋर्षि संदीपनि ने भगवान कृष्ण को 64 कलाओं में प्रवीण किया। हम संदीपनि विद्यालयों के माध्यम से प्रदेश में लाखों कृष्ण बनायेंगे। कृष्ण और सुदामा की मित्रता की परम्परा को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बहनों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। रक्षाबंधन में लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित बहनों को 1250 रुपए की राशि के साथ 250 रूपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। हम महीने भर रक्षाबंधन का त्योहार मनाएंगे। दीवाली से लाड़ली बहना योजना से 15 सौ रूपये की राशि हर माह दी जायेगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना से 51 लाख बेटियाँ लाभान्वित हुई हैं। इनमें से पात्र बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को 672 करोड़ रूपये की राशि दी गई है। प्रदेश के 5 लाख महिला स्वसहायता समूहों से जुड़ी 62 लाख बहनों को कई आर्थिक लाभ दिए गए हैं। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत सीटें बहनों को दी जायेंगी ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से प्रधानमंत्री जी ने लाखों गरीब परिवारों को लाभान्वित किया है। अब तक जो गरीब परिवार इस योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं उनका सर्वेक्षण किया जा रहा है। सभी पात्र व्यक्ति इसमें अपना नाम शामिल करायें। प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान कार्ड योजना से 5 लाख रुपए तक की निःशुल्क उपचार की सुविधा दी है। एयर एंबुलेंस से रोगियों को निःशुल्क बड़े अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। अंगदान करने वालों को हम सम्मानित करेंगे तथा उन्हें गार्ड आफ आनर दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश का तेजी से विकास हो रहा है। कश्मीर में आतंकवादियो ने दुस्साहस दिखाकर कायराना हमला किया तो प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने दुश्मन के घर में घुसकर उसे मारा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने देश की सेना के गौरव में चार चांद लगा दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के सम्मान और गरीबों के कल्याण के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। हमने कैबिनेट की बैठक भी रानी दुर्गावाती और राजा भभूत सिंह की स्मृति में आयोजित की। अन्न खरीदने पर किसानों को एक हजार रूपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त राशि दी जा रही है। किसानों से 26 सौ रूपये प्रति क्विंटल में गेंहू की खरीद की गई जो देश में सर्वाधिक है। महिलाओं के लिए हमने बजट में 27 हजार 147 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। इसमें से केवल लाड़ली बहना योजना के लिए ही 18 हजार 699 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है। प्रदेश में एक करोड़ 27 लाख महिलाओं को लाड़ली बहना योजना का लाभ दिया जा रहा है।

समारोह में विधायक देवसर राजेन्द्र मेश्राम ने स्वागत उद्बोधन देते हुये क्षेत्र के विकास से जुड़ी विभिन्न मांगे रखीं। विधायक ने देवसर विधानसभा क्षेत्र में 5 सीएम राइज स्कूल, 4 कालेज तथा गोड़ परियोजना की मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री का सरई पहुंचने पर परम्परागत आदिवासी लोक नृत्य गुदुम बाजा से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने लोक कलाकारों के साथ मादल पर थाप दी। मुख्यमंत्री को रंग-बिरंगी आदिवासी टोपी पहनाकर और धनुष बाण भेंट करके स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करके अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अन्न तथा महुये से बने लड्डूओ का स्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने लाडली लक्ष्मी योजना तथा अन्य योजनाओ के हितग्राहियो को हितलाभ का वितरण किया।

सम्मेलन में जिले की प्रभारी मंत्री सम्पतिया उईके, पीएचई मंत्री, राज्यमंत्री ग्रामीण विकास विभाग राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, विधायक धौहनी कुवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावाल विश्वामित्र पाठक, पूर्व विधायक सुभाष रामचरित, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल शाह, कांत देव सिंह, दिलीप शाह अध्यक्ष सिंगरौली विकास प्राधिकरण, अनुराधा सिंह, प्रवीण पाठक तथा बड़ी सख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और हजारों महिलाएं उपस्थित रहीं। सम्मेलन में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस विधायक झूठा श्रेय लेने का कर रहे प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेमरिया विधानसभा में इन दिनों जिस तेजी से विकास कार्य ज़मीन पर नज़र आ रहे हैं, वह कोई संयोग नहीं, बल्कि पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी की सतत मेहनत, प्रभाव और जनसेवा के जज़्बे का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। भले ही वह आज विधायक नहीं हैं, लेकिन वो क्षेत्र की समस्याओं और जनता की जरूरतों से लगातार नजर बनाए हुए हैं। थनवरिया गांव में स्वीकृत नवीन विद्युत सबस्टेशन हो या फिर बसामन मामा गोवंश वन्य विहार, पूर्वा में 43 लाख की लागत से बने रपटा कम स्टॉप डैम या फिर जर्जर पड़े पंचायत भवनों का नवनिर्माण, बोदा मनकहरी से फरहद तक 125 करोड़ रुपये और अजगरहा से बहुरीबांध तक 46 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत सड़क निर्माण और चौड़ीकरण की परियोजनाएं साथ ही विभिन्न टोलों-मजरों को मुख्यधारा से जोड़ने वाली 45 नई सड़कों की स्वीकृति, जिससे न केवल सेमरिया और आसपास का यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। इसके साथ ही पुराने कार्यों को भी गति मिली है, जिसमें माइक्रो एरिगेशन परियोजना जैसे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर विकास भी शामिल हैं, जो क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होंगे। इन सभी विकास योजनाओं के पीछे यदि किसी का सबसे बड़ा योगदान है तो वह केपी त्रिपाठी का। इन प्रयासों से न केवल विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा बल्कि क्षेत्र की सिंचाई, परिवहन और पर्यावरणीय स्थिति को भी मजबूती मिलेगी। गौशालाओं गौसेवा, जलसंचयन योजनाओं का क्रियान्वयन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार हर क्षेत्र में पूर्व विधायक की सक्रियता यह बताती है कि वो पूरे मनोयोग से जनता की सेवा में समर्पित हैं।

दूसरी ओर वर्तमान कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा की भूमिका सवालों के घेरे में है। जनता यह भली-भांति जानती है कि अभय मिश्रा ना तो किसी विकास कार्य की शुरुआत करते हैं, और ना ही उन्हें पूर्ण कराने में कोई भूमिका हैं। हद तो तब हो जाती है जब वह उन्हीं कार्यों का श्रेय लेने का प्रयास करते हैं जो भाजपा शासन में, और विशेष रूप से केपी त्रिपाठी के प्रयास और पहल पर शुरू हुए। अभय मिश्रा का राजनीतिक आचरण केवल दूसरों पर आरोप लगाने और भाजपा के खिलाफ बयानबाज़ी तक सीमित रह गया है। जबकि केपी त्रिपाठी बिना किसी पद के भी क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देकर विकास को गति दे रहे हैं।

मोहिनी देवी तरवानी की आंखों ने दी दो लोगों को नई रोशनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के कृष्णनगर निवासी श्रीमती मोहिनीदेवी तरवानी जी का हाल ही में निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए नेत्रदान का निर्णय लिया। परिवार के सदस्यों श्री रमेश लाल, गोपीचंद, प्रतापराय, नानकराम और सुरेश तरवानी ने अमर ज्योति संस्था की प्रेरणा से यह पुण्य कार्य किया। संस्था के डॉ. प्रकाश सिंह, घनश्याम मघरानी और कमल पुरस्वानी के मार्गदर्शन में सतगुरु की तकनीकी टीम ने नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया।अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने बताया कि माता जी के नेत्रदान से दो अंधे लोगों के जीवन में रोशनी लौटेगी। उन्होंने कहा कि नेत्र प्राप्त करने वाले हमेशा परिवार को आशीर्वाद देंगे। संस्था के सदस्य विनोद गेलानी ने जानकारी दी कि यह 847वां नेत्रदान है, इससे पहले 846 नेत्रदान सफलतापूर्वक करवाए जा चुके हैं।इस अवसर पर संस्था के मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार सहित मनोहर डिगवानी, कमल पुरस्वानी, मनोज अरोरा, नरेंद्र चंद्र गुप्ता, पुष्पराज सिंह, हरिओम गुप्ता, मनमोहन माहेश्वरी, विभाष बनर्जी, सुधीर जैन, ललित खुराना, दिलीप सोनी, प्रदीप अरोरा, विपुल हांडा, संजय वाधवानी, अनिल मोटवानी, जेठानंद वाधवानी, श्यामलाल गुप्ता, मनोज वलेजा, संदीप चमड़िया, अनिल झुलवानी, नीलांबर झा, बसंत शर्मा, संदीप धूत, दीपक वाधवानी, रूपेश वलेचा, तरुण ठक्कर, भरत आहूजा, पंकज आहूजा, श्रीमती मंजूषा शाह, दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार, उमेश लोहिया, डॉ. प्रकाश सिंह, ज्ञान खटवानी, मनीष टेकवानी, धीरज टंडन, बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को साधुवाद दिया।

कमिश्नर आज करेंगे जल निगम और पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद 5 जुलाई को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जल निगम (पीआईयू) और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की विभागीय गतिविधियों एवं महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा करेंगे। कमिश्नर जल निगम (पीआईयू) की समीक्षा सुबह 11 बजे से एक बजे तक तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा दोपहर 2 बजे से करेंगे। संयुक्त आयुक्त सुदेश कुमार मालवीय ने अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जनरल मैनेजर जल निगम को अपने जिला अधिकारियों के साथ संभागीय समीक्षा बैठक में उपस्थिति के निर्देश दिये हैं।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सोहावल में शासकीय कन्या हाईस्कूल के नवीन भवन का किया शिलान्या

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को सोहावल में शासकीय कन्या हाईस्कूल के 1.39 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नवीन भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा उन्नति की सीढ़ी है, जो व्यक्ति को सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अजय चतुर्वेदी राजा ने की।राज्यमंत्री ने भवन निर्माण स्थल का निरीक्षण कर भूमिपूजन और शिलापट्टिका अनावरण किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में विकसित करने के प्रयास हो रहे हैं। नवीन शिक्षा नीति लागू करने और मेडिकल-इंजीनियरिंग की शिक्षा हिन्दी में शुरू करने का पहला कदम मध्यप्रदेश ने उठाया है। उन्होंने रैगांव विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों में अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाएं विकसित करने की प्रतिबद्धता जताई।श्रीमती बागरी ने कहा कि सोहावल और सितपुरा को जोड़ने के लिए सतना नदी पर पुल सहित सड़क मार्ग बनाया जाएगा। कोलगढ़ी से छींदा, कुडिया होते हुए 58.40 किमी लंबा मार्ग मुख्य सड़क के रूप में स्वीकृत हुआ है, जबकि हाटी मोड़ से जैतवारा तक सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव प्रक्रिया में है। सरपंच की मांग पर कन्या हाईस्कूल को हायर सेकंडरी स्कूल में उन्नत करने और सोहावल को अच्छी सड़क-संपर्क सुविधाओं से जोड़ने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में बीईओ आयुषी सिंह, प्राचार्य टीके मिंज, जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह, ओम सिंह, धनंजय सिंह, अनुराग पटनहा, भगवानदास चौरसिया, राकेश मोहन त्रिपाठी सहित सरपंच गण, अध्यापक और छात्राएं मौजूद रहीं। संचालन शैलेन्द्र त्रिपाठी ने किया, जबकि सुमित पाठक ने आभार व्यक्त किया।

जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर मनाया गया स्वैच्छिकता पर्व

शासन और समाज की बीच की कडी बनें स्वैच्छिक संगठन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर स्वैच्छिकता पर्व कार्यक्रम जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य, व वरिष्ठ समाजसेवी व चिकित्सक रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी की अध्यक्षता व सम्भागीय समन्वयक प्रवीण पाठक के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। परिषद के अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश वाचन के उपरान्त परिषद द्वारा तैयार लघुफिल्म का प्रदर्शन किया गया। जिला समन्वयक द्वारा पीपीटी के माध्यम से परिषद की संरचना, कार्यप्रणाली, योजनाएं, उपलब्धियों, रीवा जिला अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए कार्यो एवं बावडी उत्सव कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण किया गया।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी द्वारा अपने उदबोधन में जन अभियान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उपस्थित स्वयंसेवी संगठनों, नवांकुर समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठयक्रम के परमर्शदाता एवं छात्रों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासन के साथ मिलकर की गई भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि जन अभियान परिषद को उसके श्रेष्ठ कार्यो की पहचान है। जन अभियान परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता सकारात्मक ऊर्जा, सेवा और समाज की समझ रखने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर में सिविल डिफेंस वालेंटियर्स के पंजीकरण व प्रशिक्षण में जन अभियान परिषद ने बहुत ही प्रभावी कार्य किया है। एक पेंड मॉ के नाम अभियान प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्वपूर्ण अभियान है आप सभी स्वैच्छिक संगठन के कार्यकर्ताओं एवं जिले के प्रत्येक जन मानस से आग्रह है कि एक पेंड अपनी मॉ के नाम पर रोपित कर संरक्षित करें।

कार्यक्रम में डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी ने कहा कि विचारों की स्पष्टता, सेवाभाव एवं अपने लक्ष्य के प्रति निरंतरता जीवन में सफलता की कुंजी है। सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मैं भी दशकों पहले मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रथम उपाध्यक्ष के साथ परिषद की प्रारंभिक गतिविधियों में शामिल रहा हूं। आज भी परिषद द्वारा संचालित कार्यक्रमों व अभियानों में मुझे नियमित रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जन अभियान परिषद के सम्भागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि 28 वर्ष पहले जन अभियान परिषद के रूप में एक छोटा सा पौधा रोपा गया था, वह अब समाज के मध्य कार्य करते हुए एक वट बृक्ष बन रहा है। जल गंगा संवर्धन के साथ पूर्ववर्ती शासन द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों में जन अभियान परिषद ने बढ-चढ कर भागीदारी की हैं। परिणामतः शासन की योजनाएं अतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सार्थक योगदान हो सका।

अतिथि उदबोधन उपरांत परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर के उदबोधन का वीडियों संदेश का प्रदर्शन किया गया। उपस्थित मंचासीन अतिथियों के नेतृत्व में स्वैच्छिकता शपथ का आयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रत्येक विकासखण्ड से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रो व उत्कृष्ट कार्य करने वाले परामर्शदाताओ को सम्मानित किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों को सम्मानित किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कदम का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बृजेन्द्र सिंह, अमित अवस्थी, सुषमा शुक्ला, अजय चतुर्वेदी, अनिता मिश्रा, रामानंद पटेल, धीरेंद्र शुक्ल, बृजेश तिवारी, सोनल वास्तव, राजेश अवधिया, जयराम कुशवाहा, सीपी मिश्रा, दीपिका मिश्रा उपस्थित रहे।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं न्यायाधीशगणों ने रोपे पौधे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं उनकी गरिमामयी उपस्थिति मे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नवीन न्यायालय भवन में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित अन्य न्यायाधीशगणों द्वारा पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। वृक्ष जहां हमें एक ओर आक्सीजन प्रदान करते हैं वहीं दूसरी ओर नकारात्मक जलवायु परिवर्तन से हमारी रक्षा करते हैं। विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार, जिला न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड, आशीर्वाद भिलाला, शरद गुप्ता, वारींद्र कुमार तिवारी, संतोष कुमार तिवारी, अनुज त्यागी, यशपाल सिंह, अनु सिंह, एवं अन्य न्यायाधीशगण तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र, जिला रजिस्ट्रार पन्ना नागेश, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के आनंद पाण्डेय, अनीस पाण्डेय व न्यायालय के कर्मचारियों सहित विधि के छात्रों द्वारा वृक्ष रोपित किए गए।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

रीवा, दिनांक 03.07.2025

क्रमांक-744/ई-टेंडर/जोन-02, 04/न.पा.नि./2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_435015_1 04.07.2025 [FIRST CALL] 740/03.07.2025	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-06 में भरतपुर हॉउस से डॉ. कपूर के घर तक RCC नाली निर्माण एवं डॉ. कपूर के घर से बरती हॉउस तक सड़क के मजबूतीकरण का कार्य।	03 माह ₹13.74 लाख	₹2000.00 ₹10305:00	04.08.2025 18:00 बजे तक।
2.	2025_UAD_435016_1 04.07.2025 [FIRST CALL] 741/03.07.2025	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-08 में शिव मैरिज गॉर्डन से घनश्याम सिंह जी के घर तक RCC सड़क एवं पुलिया निर्माण का कार्य।	03 माह ₹16.26 लाख	₹2000.00 ₹12195.00	04.08.2025 18:00 बजे तक।
3.	2025_UAD_435017_1 04.07.2025 [FIRST CALL] 742/03.07.2025	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-09 में कैलाशपुरी में हंशराज सिंह जी के घर से श्रीकांत तिवारी जी के घर तक एवं बी.के. पाण्डेय जी के घर से सविता शुक्ला जी के घर तक RCC नाली एवं सड़क निर्माण का कार्य।	04 माह ₹23.77 लाख	₹5000.00 ₹17828.00	04.08.2025 18:00 बजे तक।
4.	2025_UAD_435018_1 04.07.2025 [FIRST CALL] 743/03.07.2025	जोन क्रमांक-04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 में लालन टोला में जायसवाल जी के घर से नंदलाल मिश्रा जी के घर होते हुए लालन टोला मुख्य मार्ग तक RCC नाली, पुलिया एवं सड़क निर्माण का कार्य।	03 माह ₹15.26 लाख	₹2000.00 ₹11445.00	04.08.2025 18:00 बजे तक।

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जोन क्रमांक-02, 04
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

विचार

कर्नाटक में कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वाली गलती दोहरा रही है

कर्नाटक में कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह जीत केवल भाजपा को सत्ता से हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके साथ ही कांग्रेस ने यह संदेश भी दिया था कि यदि पार्टी एकजुट और ठोस नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे तो वह भाजपा को घेर सकती है। लेकिन अब, कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और लगातार सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मतभेदों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस यहां पर वही गलती दोहरा रही है जो उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में की थी? हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच देखने को मिला था। ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गये थे जिससे कमलनाथ की सरकार बीच में ही गिर गयी थी। तीनों ही राज्यों में मतभेद पार्टी मंच के बजाय मीडिया में उछलते रहे, जिससे भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया। इसी तरह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है कि आलाकमान द्वारा समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाने के कारण टकराव बढ़ते जा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कर्नाटक में कांग्रेस की जोरदार जीत के बाद से ही यह स्पष्ट था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। समझौते के तहत सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन शिवकुमार खेमा इसे अंदर ही अंदर चुनौती दे रहा है। कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार की बात हो चाहे प्रशासनिक निर्णयों की बात हो या फिर रणनीतिक घोषणाओं की बात हो, सभी मामलों में दोनों नेताओं के बीच मतभेद लगातार उजागर होते रहते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी खुलेआम एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाज़ी कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक अक्सर उन्हें भावी मुख्यमंत्री कहकर प्रचारित करते हैं जो सिद्धारमैया समर्थकों को असहज करता है और इसके चलते दोनों ओर से बयानबाजी शुरू हो जाती है। हम आपको बता दें कि देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और देखने में आ रहा है कि तीनों जगह पार्टी में कलह है। कर्नाटक के साथ ही हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं लेकिन कर्नाटक की कलह कुछ ज्यादा ही उजागर हो रही है। यही नहीं, कर्नाटक के विवाद को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा हाईकमान पर टालना दर्शाता है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है और सब कुछ ऊपर से ही मैनेज हो रहा है, तभी इस प्रकार का टकराव बना हुआ है। देखा जाये तो कांग्रेस इस समय देश में मुख्य विपक्षी पार्टी है इसलिए सवाल उठता है कि जब वह अपना घर ही नहीं संभाल पा रही तो देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका कैसे निभा पायेगी? कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है। उधर, कर्नाटक में कांग्रेस के दोनों धुरंधर नेताओं के समीकरणों पर गौर करें तो आपको बता दें कि अत्यंत पिछड़े कुरबा समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बड़े जनाधार वाले नेता हैं। वह सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर हैं और उन्हें पता है कि चुनावों में भाजपा के जातिगत समीकरणों को कैसे बिगाड़ना है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वह पुराने कांग्रेसी हैं, गांधी परिवार के विश्वस्त हैं और धनबल, बाहुबल के खिलाड़ी हैं। कई विधायक भी उनके साथ हैं लेकिन हाईकमान हर बार सिद्धारमैया के सिर पर हाथ रख देता है इसलिए उन्होंने हाल ही में कहा भी है कि मेरे पास समर्थन करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

तिबत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिबत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिबतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

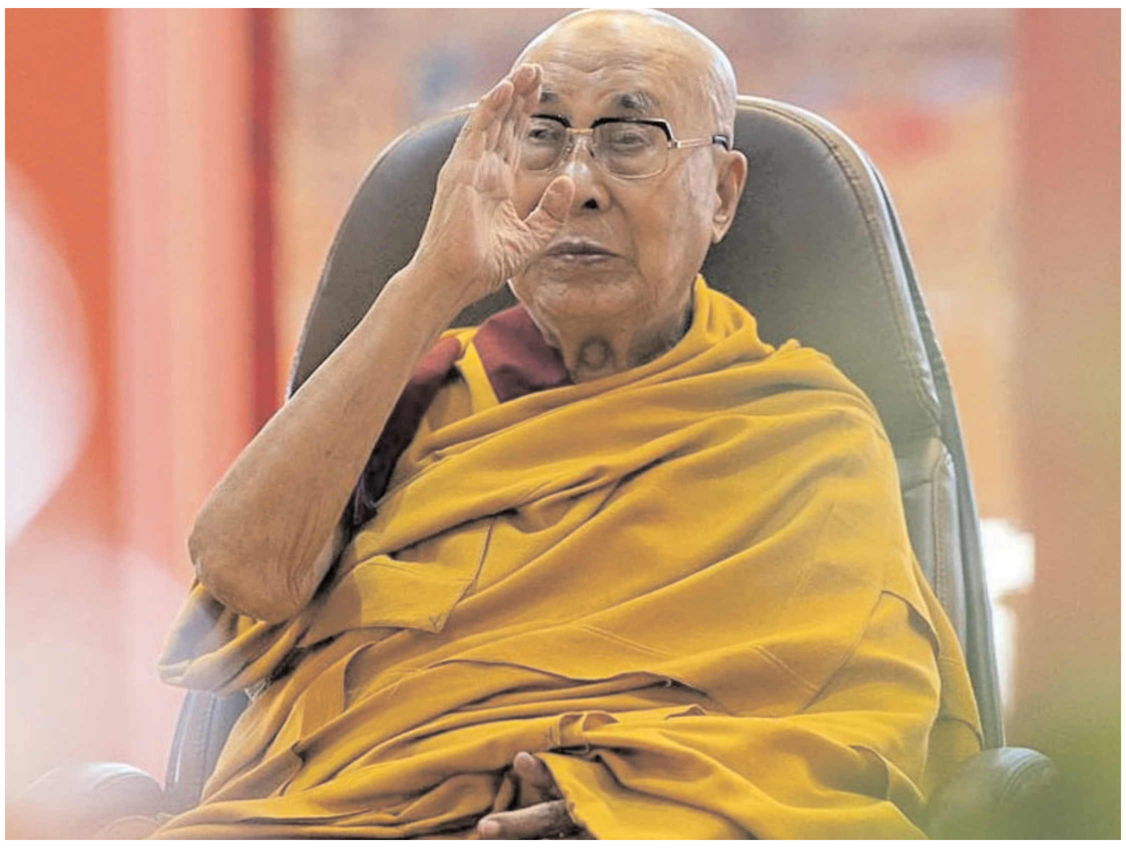

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कठपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोज़गार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है। दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है।

अपराधियों से निपटने में विफल नीतिश सरकार देगी हथियार लाइसेंस

राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इससे बेशक राज्य का चाहे कितना ही नुकसान क्यों ना हो। बिहार जैसा प्रदेश जो एक दौर में नस्लवाद और जातीय हिंसा के लिए कुख्यात रहा, अब भी अपराधों के मामले में पीछे नहीं हैं। बिहार में सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, अपराधों से सभी का गहरा रिश्ता रहा है। बिहार में कानून-व्यवस्था हमेशा से एक चुनौती रही है। हालात यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। इसका सरकार ने आसान विकल्प खोज लिया है। वह यह है कि अब मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य जैसे जनप्रतिनिधि आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रख सकेंगे। जिससे लगभग ढाई लाख जनप्रतिनिधियों को फायदा मिलेगा। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में आवेदनों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में आगामी चंद महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नीतिश सरकार के इस फैसले को चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

बिहार सरकार ने यह फैसला राज्य में पंचायत प्रतिनिधियों पर हमले और हत्याओं की बढ़ती घटनाओं के कारण लिया है। इसके विपरीत सच्चाई यही है कि ऐसा करके नीतिश सरकार ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को साधने की कोशिश की है। यदि नीतिश कुमार के इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों की सुरक्षा के हित में भी माना जाए तब यह प्रदेश में अपराध की हालत को दर्शाता है। जिस प्रदेश में जनप्रतिनिधी ही सुरक्षित नहीं हैं, वहां आम अवाम की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। सवाल यह भी है कि लाखों की संख्या में हथियारों के लाइसेंस देने से क्या राज्य में हिंसा में बढ़ोत्तरी नहीं होगी। बिहार में यदि पुलिस तंत्र प्रभावी और मजबूत होता तो यह नौबत नहीं आती कि लाखों जनप्रतिनिधियों को हथियारों के लिए लाइसेंस दिया जाए। इससे जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतिश ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के बजाए हथियारों के लाइसेंस देने का आसान विकल्प चुना है। बड़ा सवाल यह भी है कि जनप्रतिनिधी अपनी सुरक्षा हथियारों से कर लेंगे, किन्तु प्रदेश की अवाम का क्या होगा।

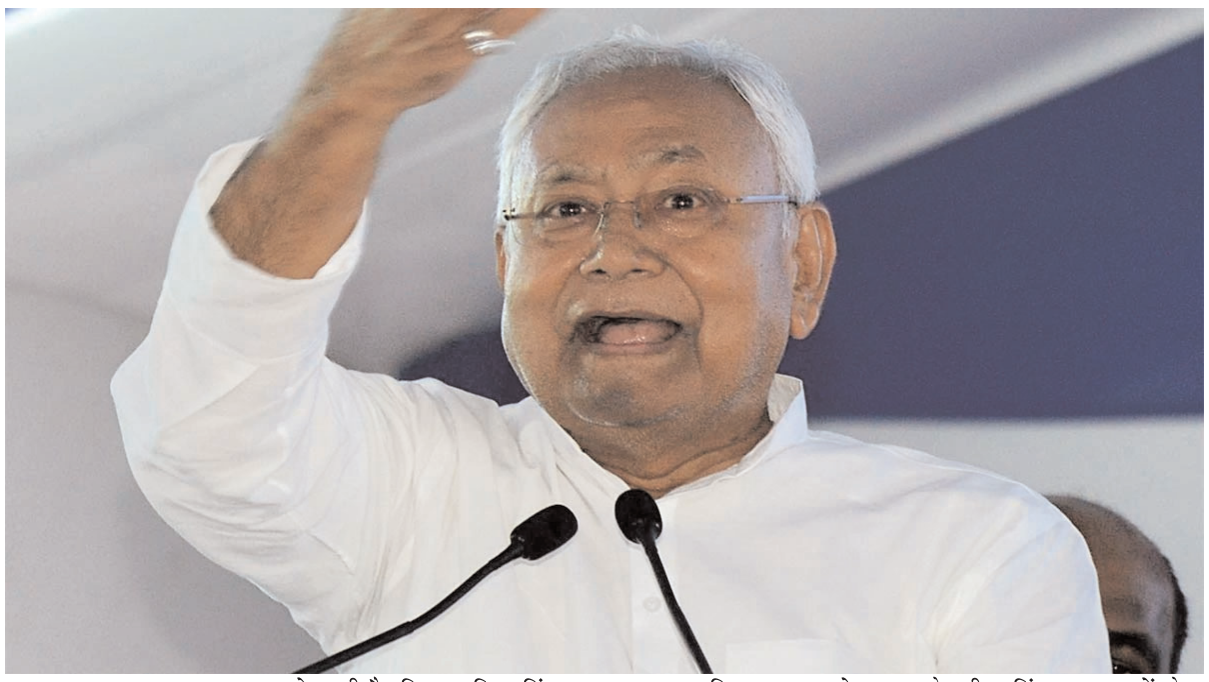

मुख्यमंत्री नीतीश का यह फैसला दर्शाता है कि बिहार में कानून-व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है। बिहार पुलिस हिंसक अपराध के मामलों में आई तेजी है। बिहार में पिछले 10 वर्षों में राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस, अवैध बंदूक और गोला व बारूद की अनाधिकृत तौर पर बिक्री बढ़ी है और यह प्रदेश में बढ़ रही हिंसा की बड़ी वजह है। राज्य के अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने इस दिशा में एक अध्ययन भी किया है। बिहार पुलिस ने यह अध्ययन बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार को सुपर्द किया। पुलिस ने राज्य में हिंसक अपराधों में वृद्धि को सीधे तौर पर राज्य में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बढ़ती बिक्री से जोड़ा है और हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, बैंक डकैती और सड़क डकैती जैसे अपराधों के लिए इसे जिम्मेदार माना है। एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो) के अनुसार, बिहार 2017 से 2022 के बीच हिंसक अपराधों के मामले में लगातार शीर्ष पांच राज्यों में शुमार रहा है। इस अध्ययन में यह बात सामने आई कि प्रति वर्ष पटना में 82 हिंसा के मामले औसतन रूप से सामने आए हैं और राज्य की राजधानी हिंसा की राजधानी बन चुकी है। पटना के बाद क्रमशः मोतिहारी में 49.53, सारण 44.08), गया 43.50, मुजफ्फरपुर 39.93 और वैशाली में 37.90 मामले प्रति वर्ष औसतन दर्ज किए जा रहे हैं। हिंसक अपराधों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष 10 जिलों में पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय शामिल हैं। ये उन शीर्ष 10 जिलों में से भी हैं जिनमें सबसे अधिक आर्म्स एक्ट के मामले हैं। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अवैध आग्नेयास्त्र और हिंसक अपराध के मामलों के बीच घनिष्ठ संबंध है। एक दशक के अपराधों के अध्ययन के आधार पर विशेष कार्य बल ने बिहार के डीजीपी से सिफारिश की है कि वे व्यक्तिगत गोला-बारूद कोटा को मौजूदा 200 से घटाकर न्यूनतम कर दें। साथ ही यह भी सिफारिश की गई है कि डीजीपी कार्यालय आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने में असमर्थ मानता है, उनके लाइसेंस रद्द कर दे। लाइसेंस प्राप्त मिनीगन कारखानों की निगरानी करें। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत में अपराधों के मामलों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश रहा। इसके बाद अपराधों के पायदान पर क्रमशः केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार है। अपराधों की श्रेणी में चोरी के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए। इसके बाद दूसरे नंबर पर डकैती और उत्पीडऩ के मामले सामने आए। अपराधों में आंकड़ों के लिहाज से तीसरे नंबर बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। इस मामले में चिंता की बात यह है कि इसमें वर्ष 2023 के मुकाबले 1.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है जबकि अपहरण के मामलों में पिछले वर्ष के मुकाबले 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बिहार सरकार द्वारा जारी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दर्ज और निपटाए गए मामलों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 2021-22 में क्रमशः 13.05 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में दर्ज सभी मामलों में से घरेलू हिंसा के लिए सबसे ज़्यादा 4,889 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दहेज उत्पीडऩ (787), यौन उत्पीडऩ (116), दूसरी शादी (81), मोबाइल/साइबर से जुड़े अपराध (59), बाल विवाह (24), कार्यस्थल पर यौन उत्पीडऩ (22), मानव तस्करी (12), दहेज हत्या (5) और अन्य (1,297) दर्ज किए गए। 2021-22 में 86 प्रतिशत दर्ज मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 2020-21 में यह 82 प्रतिशत था। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने आंकड़े और आबादी के आधार पर दावा किया है कि 2004 के मुकाबले 2025 में अपराध में भारी गिरावट आयी है। लालू सरकार के काल खंड से तुलना करते हुए डीजीपी ने कहा कि 20-21 साल पहले सालाना 500- 1000 फिरौती के लिए अपहरण के मामले दर्ज होते थे।

विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर एसडीएम द्वारा किया गया आकस्मिक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार द्वारा आज शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई स्कूल चनवारीडाँड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, सभी कक्षाओं एवं शौचालयों की साफ-सफाई एवं सुव्यवस्था का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा विद्यालय में बनी स्वच्छता व्यवस्था की सराहना की। अनुविभागीय अधिकारी ने छात्रों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, उपस्थिति, सुविधाएं और आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कक्षाओं की दीवारों पर अंकित प्रेरणादायक उद्धरणों की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरक बताया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी ने पीएम श्री स्कूल मिडिल स्कूल एवं हाई स्कूल चनवारीडाँड़ का भी भ्रमण किया। उन्होंने शिक्षकों व अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किया जाये। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की प्रक्रिया को सरल एवं समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सुदर्शन पैकरा एवं सहायक बीईओ वीरेन्द्र पाण्डेय भी निरीक्षण में उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में महिला सशक्तिकरण महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा भारत सरकार की योजना बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना अंतर्गत जिला कलेक्टर डी.राहुल वेंकट के आदेशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में स्वामी आत्मानंद हिन्दी /अंग्रेजी माध्यम स्कूल खड़गवां जिला-एमसीबी में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम में बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ-साथ गुड टच, बैड टच साइबर क्राइम, पॉक्सो एक्ट, चाइड हेल्प लाइन 1098, सखी सेंटर 181, घरेलु हिंसा, लैंगिक उत्पिड़न, बाल-विवाह रोकथाम, लैंगिक समानता, मासिक स्वच्छता, के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। आज के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) ''मशिन शक्ति'' से जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा परियोजना अधिकारी श्रीमती निर्मला बरवा वित्तिय साक्षरता समन्वय अनीता कुमारी साह, मास्टर ट्रेनर सुश्री प्रभावती वर्मा, उपस्थित रहे। आत्मानंद स्कूल से प्राचार्य प्रमोद पाण्डेय व्याख्याता निलन्जना महाराज, सुनीता कुर्रे, आशा गुलकरे एवं समस्त कर्मचारियों ने अपनी पूर्ण सहभागिता दर्शाया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण से जिले की बालिकाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं से भी अवगत कराया जा रहा है। जिससे बालिकाओं में नई उमंग साथ कुछ करने की चाह और सीखने की ललक बढ़ रही है। बालिकायें आत्मनिर्भर बन रही है। महिला बाल विकास की यह पहल निश्चित ही जिला में एक नई उमंग को उजागर करेगा जो महिला और बच्चों के हित में होगा।

जिले में 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों के लिए HSRP नंबर प्लेट अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में वर्ष 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाना अब अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में वाहनधारकों की सुविधा हेतु 5 जुलाई 2025 को मनेन्द्रगढ़ के झगराखांड स्थित कश्फ परिवहन सुविधा केन्द्र में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी, कोरिया के अनुसार यह शिविर उन वाहन मालिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके वाहनों में अब तक एचएसआरपी प्लेट नहीं लगाई गई है। शासन के निर्देशानुसार सभी पुराने वाहनों में हाई सिक्योरिटी प्लेट लगाना आवश्यक है ताकि सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन को और बेहतर किया जा सके। शिविर में वाहनधारक अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर एचएसआरपी लगवाने की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

यह प्लेट वाहन की पहचान को सुरक्षित बनाती है और चोरी या फर्जी नंबर प्लेट के मामलों में नियंत्रण हेतु अहम भूमिका निभाती है। जिला परिवहन विभाग ने सभी संबंधित वाहनधारकों से अपील की है कि वे समय पर शिविर में पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया को पूर्ण करें क्योंकि नियत समय के पश्चात एचएसआरपी नहीं लगवाने पर नियमानुसार कार्रवाई और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

जिले में 43 वाहन चालकों के ड्रायविंग लाइसेंस निलंबित

तीन माह तक वाहन चलाने पर लगा रोक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए जिला परिवहन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट की ऑन रोड सेफ्टी कमेटी के निर्देशों के तहत 43 वाहन चालकों के ड्रायविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई पुलिस विभाग द्वारा मोटरयान अधिनियम एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में चालानी कार्रवाई के आधार पर की गई है। विभिन्न थाना क्षेत्रों से प्राप्त प्रकरणों की जांच उपरांत अनुज्ञप्ति धारकों को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया, जिसके पश्चात जिला परिवहन अधिकारी, कोरिया द्वारा यह निर्णय लिया गया। निलंबन अवधि में संबंधित वाहन चालक किसी भी प्रकार का वाहन नहीं चला सकेंगे। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में ऐसे चालकों द्वारा पुनः नियमों का उल्लंघन किया जाता है, तो उनकी अनुज्ञप्ति छह माह तक के लिए निलंबित की जाएगी।

तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए भरतपुर ब्लॉक में पहल

किसानों को निःशुल्क मूंगफली बीज एवं अरहर मिनीकीट का किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार और उत्पादन वृद्धि को लेकर कृषि विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत किसानों को उन्नत किस्म के मूंगफली बीज और अरहर मिनीकीट का निशुल्क वितरण किया जा रहा है, जिससे उन्हें वैकल्पिक फसलों के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। इसी क्रम में 01 जुलाई 2025 को विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत बहरासी एवं खमरौध में बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुखमंती सिंह, जनपद अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, स्थानीय जनपद सदस्यगण एवं सरपंच महोदयाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर किसानों को न केवल बीज वितरित किए गए, बल्कि तिलहन एवं दलहन फसलों के महत्व और लाभों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन की खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। किसानों को बताया गया कि मूंगफली जैसे तिलहन फसलें न केवल भूमि की उर्वरता को बनाए रखती हैं, बल्कि कम लागत में अधिक लाभ की संभावना भी प्रदान करती हैं। इसके साथ ही अरहर जैसी दलहन फसलें भी मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में मदद करती हैं और पोषण सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। इस बीज वितरण कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के किसानों में तिलहन-दलहन फसलों के प्रति रुचि बढ़ी है और आने वाले समय में जिले में इन फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में निश्चित रूप से उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि को लाभकारी व्यवसाय में परिवर्तित करने की दिशा में यह पहल एक मजबूत कदम साबित हो रही हैं।

चार पहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से लगाये सीट बेल्ट

जिला प्रशासन का सख्त निर्देश सभी अधिकारी-कर्मचारी पहनें हेलमेट वरना होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले की सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने इस दिशा में ठोस एवं कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला मुख्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी कार्यस्थल पर आने-जाने के दौरान अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी हेलमेट नहीं पहनते हुए पाए जाएंगे, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। चार पहिया वाहनों के अधिकारी एवं कर्मचारियों को सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने के निर्देश दिये है। कलेक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अब प्रशासनिक अमले को अनुकरणीय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी विभाग प्रमुख अपने अधीनस्थों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करें। सड़क सुरक्षा को लेकर एक प्रभावी रणनीति तैयार करने पर जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन इस दिशा में कठोरता और सतर्कता दोनों के साथ कार्य करेगा। उन्होंने विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य योजना निर्धारित करने के भी निर्देश दिए ताकि जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और एक सुरक्षित यातायात व्यवस्था विकसित की जा सके। बैठक के अंत में कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

सीईओ ने बरदर, शिवपुर और पोड़ीडीह पंचायतों की प्रधानमंत्री आवास, अमृत सरोवर, जल संरचना सहित अन्य विकास कार्यों की ली जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार आज जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम द्वारा जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर और शिवपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अप्रारंभ एवं प्रगतिरत आवासों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्माणाधीन घरों के हितग्राहियों से चर्चा करते हुए उन्हें जल्द-से-जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कर पूर्ण कराने की समझाइश दी।

इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पोड़ीडीह में अमृत सरोवर तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया गया, जिसमें कार्य की गुणवत्ता और संरचना सुधार हेतु निर्माण एजेंसी को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इसके पश्चात ग्राम पंचायत बरदर में मनरेगा अंतर्गत निर्मित जल संरक्षण संरचनाएं जैसे सैंड फिल्टर वाटर रिचार्ज, कंटूर ट्रेंच एवं 3त्र40 मॉडल का निरीक्षण किया गया। वहीं चयनित हितग्राहियों की निजी भूमि पर फलदार पौधा रोपण कार्य की भी समीक्षा करते हुए हितग्राहियों से प्रत्यक्ष संवाद किया गया। इस दौरान उद्यान विभाग द्वारा 11 हेक्टेयर में तैयार की जा रही नर्सरी का जायजा लिया गया और पौधारोपण हेतु चयनित स्थल का निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत बरदर में निर्माणाधीन महतारी सदन भवन का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही बरदर जलाशय में मत्स्य पालन की संभावनाओं को देखते हुए उसकी स्थिति का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी ₹श्वस्, सृजन टीम सहित जनपद के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि है, जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलत, भ्रामक और नुकसानदायक है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है। केस में डाबर की तरफ से वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने वकालत की, जबकि पतंजलि की ओर से वरिष्ठ वकील राजीव नायर और जयंत मेहता पेश हुए थे। संदीप सेठी ने कहा, इसके अलावा डाबर ने कहा, %पतंजलि के विज्ञापन में 40 औषधियों वाले च्यवनप्राश को साधारण कहा गया है। यह हमारे उत्पाद पर सीधा निशाना है।%डाबर अपने च्यवनप्राश को 40+ जड़ी-बूटियों से बने होने का दावा करता है। डाबर का कहना है कि च्यवनप्राश बाजार में उनकी 60त्न से ज्यादा हिस्सेदारी है। डाबर ने यह भी कहा कि पतंजलि के विज्ञापन में यह संकेत भी दिया गया है कि दूसरे ब्रांड्स के उत्पादों से स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। डाबर ने तर्क दिया कि पतंजलि पहले भी ऐसे विवादास्पद विज्ञापनों के लिए सुप्रीम कोर्ट में अवमानना के मामलों में घिर चुका है। इससे साफ है कि वह बार-बार ऐसा करता है।

नया बिजली कनेक्शन लेना हुआ आसान

भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं हेतु सरल और सुविधाजनक तरीके से त्वरित नवीन बिजली कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करते ही निर्धारित समयावधि में घर बैठे ही नवीन कनेक्शन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा विगत जुलाई 2023 से शुरू किये गये ऑनलाइन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से अब तक भोपाल शहर में 55 हजार से अधिक नए कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जबकि पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में 03 लाख 36 हजार से अधिक नए कनेक्शन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रदान किये गए हैं। इनमें 10 किलोवॉट तक के अस्थायी कनेक्शन भी शामिल हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल पर आवेदन करते ही निर्धारित समयावधि में तत्काल नया बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। नये कनेक्शन लेने के लिये उपभोक्ताओं को बिजली कंपनी के पोर्टल एप पर जाकर जरूरी दस्तावेज अपलोड कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। आवेदक द्वारा विधिवत ऑनलाइन आवेदन और भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत बिजली कंपनी द्वारा सर्वे एवं अन्य औपचारिकताएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर उपभोक्ता के परिसर में नया कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा।

घर में घुसकर रेप करने वाला गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे में एक 22 साल की टेक्निकल इंजीनियर से घर में घुसकर रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी कूरियर बॉय बनकर आया था। घटना बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे कोंढवा पुलिस थाने के अंतर्गत हुई। वह बैंक का लिफाफा देने के बहाने फ्लैट में घुसा। जब महिला कूरियर के लिए पिन लेने घर के अंदर गई, तो आरोपी ने दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ रेप किया। हमले के दौरान महिला बेहोश हो गई और कई घंटों तक बेहोश रही। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि आरोपी ने उस पर कोई कैमिकल स्प्रे किया था या नहीं। पुणे पुलिस ने आरोपी का पता लगाने और उसे कड़ने के लिए 10 टीमें बनाईं।, जिनमें से 5 क्राइम ब्रांच की और5 लोकल टीमें रहीं।

आंगनवाड़ी के लिए 2.70 लाख से अधिक आवेदन

भोपाल (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये जारी की गई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। विभाग द्वारा 19 जून को जारी विज्ञापन के तहत कुल 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें अब तक 2,70,152 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। भर्ती प्रक्रिया में दस संभागों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए 55,730 और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए 2,14,422 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 4 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए आवेदन में सुधार की अंतिम तिथि 7 जुलाई है।

उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 19 हज़ार 504 पदों की पूर्ति के लिए इंदौर संभाग से सबसे अधिक 47 हज़ार 116 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन में 38 हज़ार 601 सहायिका के पद और 8 हज़ार 515 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। जबलपुर संभाग से कुल 44 हजार 258 आवेदन में से 34 हजार 317 सहायिका के और 9 हजार 941 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के आवेदन प्राप्त हुए है। सागर संभाग से 33 हज़ार 513 में से सहायिकाओं के पद के लिए 27

हज़ार 857 और कार्यकर्ता के लिए 5 हज़ार 656 आवेदन आए है।

भोपाल में कुल 28 हज़ार 850 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें सहायिका के पद के लिए 22 हजार 397 और कार्यकर्ता के लिए 6 हज़ार 453 आवेदन प्राप्त हुए है। इसी प्रकार रीवा से 28 हज़ार 519 कुल आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 23 हज़ार 831 आवेदन सहायिका के और 4 हज़ार 688 आवेदन कार्यकर्ता के लिए प्राप्त हुए है।

ग्वालियर संभाग के 28 हज़ार 413 आवेदनों में सहायिका के 22 हज़ार 73 और कार्यकर्ताओं के 6 हज़ार 340 आवेदन प्राप्त हुए है। उज्जैन संभाग से कुल 24 हजार 159 आवेदनों में से सहायिका के 18 हज़ार 711 और कार्यकर्ता के 5 हज़ार 448, चम्बल संभाग के कुल 14 हज़ार 829 आवेदनों में 12 हज़ार 343 सहायिका के और 2 हज़ार 486 आवेदन कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। इसके अतिरिक्त शहडोल संभाग से कुल 10 हज़ार 406 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 7 हज़ार 291 सहायिका और 3 हजार 115 कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। नर्मदापुरम से सहायिका के पद के लिए 7,001 और कार्यकर्ता के लिए 3088 कुल 10 हज़ार 89 आवेदन प्राप्त हुए है।

बागेश्वर धाम में टेंट गिरा, एक की मौत

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर जिले में गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम परिसर में टेंट गिर गया। लोहे का एंगल सिर में लगने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई जबकि भगदड़ में 8 लोग घायल हुए हैं। हादसा गुरुवार सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुआ। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु टेंट के नीचे इकट्ठा हुए थे। घायलों को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक श्याम लाल कौशल के दामाद राजेश कुमार कौशल ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के मनकापुर गांव के रहने वाले हैं। ससुराल बस्ती जिले के चौरी सिकंदर पुर गांव में है। परिवार के 6 लोग कार से बुधवार रात बागेश्वर धाम आए थे। शुक्रवार को धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का जन्मदिन है। इससे पहले गुरुवार सुबह सभी लोग तैयार होकर शास्त्री के दर्शन करने पहुंचे थे। राजेश ने बताया कि लोहे का एंगल उनके ससुर श्यामलाल कौशल (50) के सिर में लगा। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। सिविल सर्जन शरद चौरसिया ने बताया- बागेश्वर धाम में टेंट गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। 2 लोगों का इलाज किया जा रहा है। 6 लोगों को मामूली चोटें आई थी।

केजरीवाल बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अहमदाबाद में कहा, इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, यह जनता का सीधा संदेश है कि अब विकल्प आम आदमी पार्टी है। आगे गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। दिल्ली में हार पर कहा कि ऊपर-नीचे होता रहेगा। पंजाब में हमारी सरकार दोबारा बनेगी। भाजपा की सरकार ने गुजरात को बर्बाद कर दिया है। सूरत समेत कई शहर पानी में डूबे हुए हैं। किसान, युवा और व्यापारी समेत सभी

वर्ग परेशान हैं। इसके बाद भी बीजेपी गुजरात में जीतती आ रही है।

, क्योंकि लोगों के पास विकल्प नहीं था। कांग्रेस पार्टी को बीजेपी को जीत दिलाने के लिए ठेका दिया जाता है।

एमपी में टाइगर रिजर्व पर्यटन एक अक्टूबर से महंगा होगा

भोपाल (एजेंसी)। एमपी में नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व में घूमना एक अक्टूबर से महंगा हो जाएगा। सरकार ने मौजूदा प्रवेश टिकट फीस में दस फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। विदेशी पर्यटकों को भारतीय पर्यटकों की बजाय दोगुनी टिकट फीस देनी होगी। प्रदेश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों एवं बाघ अभयारण्यों में भ्रमण के लिए प्रवेश टिकट की बुकिंग एमपी ऑनलाइन के माध्यम से होती है। प्रदेश के ज्यादातर टाइगर रिजर्व में सोमवार से शुक्रवार तक छह लोगों के प्रवेश पर 2400 रुपए और शनिवार-रविवार को 3000 रुपए प्रवेश शुल्क लिया जाता है। एक अक्टूबर से इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी। इसके बाद पर्यटकों को क्रमश- 240 और 300 रुपए अधिक

चुकाने पड़ेंगे। इसमें जिप्सी का किराया शामिल नहीं है। जिप्सी के लिए पर्यटकों को अलग-अलग पार्क में 2000 से 3500 रुपए तक अतिरिक्त देने पड़ते हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों को दो गुना शुल्क चुकाना पड़ता है। प्रदेश सरकार ने 22 अक्टूबर 2024 को एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें मैहर जिले के मुकुंदपुर वाइट टाइगर सफारी, भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान और इंदौर के रालामंडल अभयारण्य के प्रवेश शुल्क में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इसी अधिसूचना में यह भी प्रावधान किया गया था कि प्रदेश के सभी संरक्षित क्षेत्रों (नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व) के प्रवेश शुल्क में हर तीन साल में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। यह नीति 2025-26 से प्रभावी हो रही है। इसलिए एक अक्टूबर से सभी नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व में घूमना महंगा हो जाएगा। मानसून के कारण प्रदेश के सभी संरक्षित क्षेत्रों में तीन माह (जुलाई से सितंबर) पर्यटन बंद रहेगी। इसके दो कारण हैं। पहला तो यह ब्रीडिंग सीजन है और दूसरा बारिश के कारण नदी-नालों में काफी पानी रहता है। बारिश के कारण जंगल के रास्ते भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में पर्यटन कराना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए 1 जुलाई से 30 सितंबर तक सभी पार्क बंद कर दिए जाते हैं। यानी 1 अक्टूबर को इन पार्कों में फिर से पर्यटन शुरू होगा। विदेशी पर्यटक मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व को काफी पसंद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को 5 वर्ष की सजा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये किये जा रहे समग्र प्रयासों के अंतर्गत वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा, जो मूल रूप से तिब्बत का निवासी है, जिसे 9 साल की कड़ी मेहनत के बाद 25 जनवरी, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत-नेपाल के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा की गयी सटीक विवेचना एवं न्यायालय में रखे गये ठोस पक्ष के आधार पर आरोपी शेरपा को 9 मई, 2025 को 5 वर्ष की सजा दी गयी।

इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन पूर्ण कर सजा दिलवाने की उत्कृष्ट कार्रवाई के लिये बधाई-पत्र भेजा है। इंटरपोल जिसे आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराधी नियंत्रण पुलिस संगठन कहा जाता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो

195 से अधिक देशों ने मिलकर बनाया है। यह पूरे विश्व में पुलिस एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है।

मध्यप्रदेश वन विभाग ने स्टेट टाइगर फोर्स का गठन केन्द्र शासन के निर्देश पर वन्य-जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिये किया है। स्टेट टाइगर फोर्स ने विगत कुछ वर्षों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इससे पहले भी इंटरपोल द्वारा 3 बार एसटीएसएफ के कार्यों की सराहना की जा चुकी है। अपराधी ताशी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। जुलाई-2024 में सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ताशी शेरपा की जमानत याचिका को खारिज कर ट्रॉयल कोर्ट नर्मदापुरम को एक वर्ष के भीतर ट्रॉयल पूरा करने का निर्देश दिया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए ताशी शेरपा की ब्रेन-मेपिंग और पॉलीग्राफी परीक्षण करवाया, जिससे उसके विरुद्ध महत्वपूर्ण सबूत मिले। इसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्र कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किये गये।

देश का यह पहला मामला है, जिसमें बाघ शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 अपराधियों के गिरोह को गिरफ्तार किया गया, जिसमें सभी दोषी ठहराये गये।

उक्त प्रकरण में एक सरगना जेई तमांग उर्फ पसांग लिमी फरार है।

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने कार्य-योजना बनाई जाए

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित करने कार्य-योजना बनाई जाए। नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण की बेहतरी के लिए उद्यानों को विकसित करना और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौध-रोपण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान

चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नगरीय विकास एवं आवास विभाग की मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स एंड कॉलोनाईजस को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का आधुनिकीकरण तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में मीट-मछली के दुकानदारों को व्यवस्थित करने और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए नगरीय निकायों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार्मिक क्षेत्रों में दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सरकारी मदद के साथ स्वंयसेवी संस्थाओं और निजी दानदाताओं की मदद ली जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय के स्व-सहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लॉण्ड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद रहेंगे

भोपाल (एजेंसी)। सतत विकास के लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी क्रम में सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन में निजी उद्योग की भूमिका और सहभागिता को बढ़ाने के लिए भारत जर्मन सहयोग परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा विशेषज्ञों की राष्ट्रीय कार्यशाला भोपाल के कोर्टयार्ड बाय मैरियट भोपाल में 3 जुलाई को सुबह दस बजे से आयोजित की गई है। कार्यशाला में मध्यप्रदेश के विभिन्न विभाग, जिलों के प्रतिनिधियों, नीति आयोग, जर्मनी की संस्था जीआईजेड के प्रतिनिधियों से सतत विकास के लक्ष्यों और उनके स्थानीयकरण के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मध्यप्रदेश उन राज्यों में से एक है जहां सतत विकास के लक्ष्यों के स्थानीयकरण में तेजी आई है और एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में मध्यप्रदेश को फ्रंट रनर स्टेट का दर्जा मिला। प्रदेश में उत्पादन और जिम्मेदार पूर्ण उपभोग, स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ स्वच्छता, शहरीकरण, गरीबी उन्मूलन जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में उल्लेखनीय काम हुआ है। मध्यप्रदेश के प्रयासों से 2.30 करोड़ व्यक्ति बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करते हुए मध्यप्रदेश में खाद्य सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना, स्वास्थ्य सुरक्षा हासिल करने के लिए आयुष्मान भारत और स्वच्छ भारत के प्रावधान के लिए जल जीवन मिशन में उल्लेखनीय काम हुआ है। मध्यप्रदेश देश के उन पहले राज्यों में से एक है जिसने भोपाल शहर के लिए स्वैच्छिक स्थानीय समीक्षा की और इंदौर नगर निगम में ग्रीन म्युनिसिपल बांड के माध्यम से वित्त जुटाने में अग्रणी भूमिका निभाई। कार्यशाला में जर्मन दूतावास और यूएनडीपी के प्रतिनिधि, भारत जर्मन सहयोग परियोजना की प्रमुख श्रीमती हेनरी पेईचर्ट, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीव कुमार सेन और सतत विकास लक्षण के क्रियान्वयन से जुड़े विषय विशेषज्ञ, आर्थिक सलाहकार, कॉर्पोरेट भागीदारी से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे।

शहडोल सांसद ने अपनी बेटी का एडमिशन शासकीय विद्यालय में कराया

भोपाल (एजेंसी)। शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने अपनी बेटी गिरीश नंदिनी सिंह का एडमिशन अनूपपुर जिले के ग्राम राजेंद्र के शासकीय प्राथमिक कन्या विद्यालय में कराया है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह के इस निर्णय की सराहना की। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस सकारात्मक संदेश से अन्य जन-प्रतिनिधियों एवं नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी। जन-सामान्य में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

संक्षिप्त समाचार

थर्ड एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहती है वान्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। वह 3 सितंबर को मलेशिया में होने वाली थर्ड एशिया पैसिफिक योग चैंपियनशिप में सात साल की वान्या शर्मा भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वान्या का लक्ष्य इसमें पदक जीतना है। थर्ड एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप में भारत, थाईलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, नेपाल सहित 11 देश हिस्सा लेंगे। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करने वाजी वान्या दो साल की छोटी उम्र से योग का अभ्यास कर रही हैं। अब वह सात साल की उम्र में योग में प्रशिक्षिक हो गई हैं। वह खुद भी योग करती हैं और लोगों को भी सिखाती हैं। वान्या का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड सहित कई जगह शामिल है। आगामी चैंपियनशिप के लिए वान्या जमकर तैयारी में लगी हुई हैं। इसमें परिवार भी उनकी सहायता कर रहा है। वान्या ने कहा, मैं इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं नए-नए आसनों की तैयारी कर रही हूं। मेरा प्रयास अपने देश के लिए पदक जीतना रहेगा। वर्तमान समय में देशभर में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विशेषतौर पर योग को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ले जाने के लिए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

भारत ने 2036 ओलंपिक मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्विट्जरलैंड के लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अधिकारियों से मुलाकात कर आधिकारिक तौर पर ओलंपिक मेजबानी का दावा किया। भारतीय ओलंपिक संघ ने पिछले काफी समय से कहा है कि वह ओलंपिक का आयोजन करना चाहता है और उसके लिए प्रयास कर रहा है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा के अलावा केंद्रीय खेल मंत्रालय और गुजरात सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक तौर पर मेजबान शहर के तौर पर अहमदाबाद के नाम की दावेदारी की। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने आईओसी के सामने आधिकारिक तौर पर मेजबान सिटी के तौर पर अपने किसी शहर का नाम दिया है। साल 2032 का ओलंपिक खेल ब्रिसबेन में होना है इसलिए भारत ने 2036 ओलंपिक के लिए दावेदारी की है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष ऊषा ने कहा है, भारत में ओलंपिक खेल का होना न सिर्फ एक भव्य आयोजन होगा बल्कि उसका सभी भारतीयों पर ऐसा प्रभाव पड़ेगा जो पीढ़ियों में कभी कभार पड़ता है। उषा ने लूजान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अधिकारियों के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा भी किया है।

रुस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा, समय आने पर फैसला लिया जाएगा

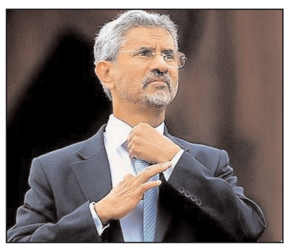

वाशिंगटन,(एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा। दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है। अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तब भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500 प्रतिशत शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। इस बीच, भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहा हैं। इस समझौते का उद्देश्य ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत जवाबी टैरिफ से बचना है। अगर यह समझौता हो जाता है, तब भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में बड़ी राहत मिल सकती है। भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद लगातार बढ़ रही है। मई 2025 में यह आयात 1.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो पिछले 10 महीनों में सबसे अधिक है। अब स्थिति यह है कि भारत ने पश्चिम एशियाई देशों से ज्यादा तेल रूस से खरीदना शुरू कर दिया है।

सोने में हल्की तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट

__नई दिल्ली (एजेंसी)।__ सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुक्रवार को सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुधर गए। सोने के भाव 96,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,07,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 47 रुपये की गिरावट के साथ 96,735 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,782 रुपये था। इस समय यह 52 रुपये की तेजी के साथ 96,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 96,840 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,735 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 400 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,836 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,08,236 रुपये था। इस समय यह 316 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,920 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,07,920 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,836 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,335 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,342.90 डॉलर प्रति औंस था।

रुपया 21 पैसे बढ़कर 85.34 डॉलर पर

__मुंबई (एजेंसी)।__ अमेरिका के साथ व्यापार सौदों की नई उम्मीदों, एशियाई मुद्राओं में मजबूती आने से घरेलू मुद्रा शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वियतनाम के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की है और इससे यह उम्मीद देखी जा रही है कि शुल्क बढ़ाने की नौ जुलाई की समयसीमा से पहले शायद इस तरह के और समझौते हो सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.44 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 85.34 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 96.98 पर आ गया।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

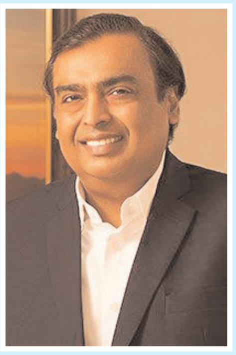

➲ यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

आजकल परिवार के साथ लंदन में समय बिता रहे विराट कोहली

लंदन (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद आजकल भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपने परिवार के साथ लंदन में रह रहे हैं। भारतीय टीम आजकल यहां टेस्ट सीरीज खेल रही है पर विराट ने उससे दूसरी बनायी हुई है और वह पूरा समय परिवार के साथ बिता रहे हैं। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें विराट और उनकी पत्नी अनुष्का लंदन की एक सड़क पर टहलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में वह कैमरे की ओर पलटकर देखते हैं और फिर अनुष्का के साथ आगे बढ़ जाते हैं। विराट अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय भी लंदन में ही थे। ऐसे में ये पहली बार नहीं है जब विराट और अनुष्का को यहां देखा गया है। यहां भारतीय मूल के लोगों की काफी तादाद होने के कारण उनके प्रशंसकों की भी बड़ी संख्या काफी है। विराट संन्यास के बाद आध्यात्म से भी जुड़े और इसी कारण प्रेमानंद महाराज के आश्रम में भी उनके दर्शनों के लिए पहुंचे थे। कोहली के लिए पिछला कुछ समय अच्छा नहीं रहा है उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी जीत थी पर उनकी ये खुशी अधिक देर नहीं रही क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत की खुशी में आयोजित विक्ट्री परेड में हुई भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई, जिससे भी विराट दुखी हो गये थे। विराट के संन्यास के बाद अब शुभमन गिल उनकी जगह पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कमाल कर रहे हैं। शुभमन ने पहले और दूसरे टेस्ट में शतक लगाकर विराट के ही अंदाज में जश्न मनाया।

भारतीय फुटबॉल टीम की मुश्किलें बढ़ी, नये कोच ने भी पद छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम टीम की मुश्किलें बढ़ गयी है। टीम के नये कोच मनोलो मार्केज ने भी अपना पद छोड़ दिया है। मार्केज ने एक साल से भी कम समय में अपना पद छोड़ दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में इगोर स्टिमैक के पद छोड़ने के बाद कोच बनाया गया था। मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ आपसी सहमति से पद छोड़ा है। वहीं पिछले साल टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने कोच पद से हटा दिया था। मार्केज को एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था पर अचानक ही उनके इस्तीफे से साफ है कि एआईएफएफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वहीं एआईएफएफ के उप महासचिव के सत्यनारायण ने कहा है कि, एआईएफएफ और मनोलो ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही कहा कि एआईएफएफ जल्द ही नया मुख्य कोच नियुक्त करेगा। वहीं सवाल ये भी उठता है कि जिस प्रकार से कम समय के अंतराल में कोच हटाये जा रहे हैं उससे भारतीय टीम कैसे आगे बढ़ेगी। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने उनके नेतृत्व में 8 मैच खेले, जिनमें से सिर्फ एक में जीत हासिल की। यह जीत भी एक मैत्री मैच में मार्च 2025 में मालदीव के खिलाफ दर्ज की गई थी, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था। सबसे ताजा झटका 10 जून को लगा, जब भारत को हांगकांग के खिलाफ 2027 एएफसी एशिया कप क्वालीफायर मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

मारक्वेज की कोचिंग में भारत की फीफा रैंकिंग में भी जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2023 में भारत 99वें स्थान पर था, लेकिन अब 127वें स्थान तक फिसल चुका है। नवंबर 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कोई भी मैच नहीं जीता है। गौरतलब है कि मारक्वेज को स्टीमैक की जगह लाया गया था। स्टीमैक की कोचिंग में भारत ने कुवैत के खिलाफ आखिरी जीत दर्ज की थी।

टीम इंडिया ने पहली पारी में बनाए 587 रन शुभमन गिल लगाया दोहरा शतक

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में है। गुरुवार को मैच के दूसरा दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 587 7 रनों का स्कोर खड़ा किया है। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 269 रन बनाए। दूसरे दिन के खेल में भी रवींद्र जडेजा और शुभमन गिल की जोड़ी ने कमाल की बल्लेबाजी की। जडेजा ने 80 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। वहीं शुभमन गिल 263 गेंदों पर अपने 150 रन पूरे करने में कामयाब रहे। शुभमन ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में किसी पारी में 150 रनों का आंकड़ा टच किया। जडेजा अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन जोश टंग की शॉर्ट पिच गेंद पर वो चलते बने। जडेजा ने 10 चौके और एक सिक्स की मदद से 137 गेंदों पर 89 रन बनाए। रवींद्र जडेजा के आउट होने के बाद शुभमन गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। शुभमन ने इस दौरान 311 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर लिया। शुभमन के टेस्ट करियर का ये पहला दोहरा शतक रहा। साथ ही इंग्लैंड में किसी भारतीय कप्तान का भी ये पहला दोहरा शतक रहा।

शुभमन और वॉशिंगटन सुंदर के बीच सातवें विकेट के लिए 144 रनों की पार्टनरशिप हुई। सुंदर 42 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर बोल्ड हुए। शुभमन गिल ने 387 गेंदों 30 चौके और तीन छक्के की सहायता से 269 रन बनाए, शुभमन का विकेट जोश टंग ने लिया। आकाश दीप (6 रन) और मोहम्मद सिराज (8) आउट होने वाले आखिरी 2 बल्लेबाज रहे। इंग्लैंड की ओर से शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके।

डब्ल्यूटीसी में रोहित को पीछे छोड़ने शुभमन को चाहिये तीन शतक

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आजकल इंग्लैंड दौरे में छाये हुए हैं। शुभमन ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया है। इससे उनके शतकों की संख्या अब सात हो गयी है। इस प्रकार देखा जाये तो शुभमन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 7 शतकों के साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने इस चैंपियनशिप में कुल 9 शतक जड़े हैं। उन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है। वहीं शुभमन जिस प्रकार खेल रहे हैं उससे वह पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में रोहित की बराबरी कर सकते हैं या उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। शुभमन अगर दो शतक लगा दें तो रोहित की बराबरी पर आ जाएंगे। वहीं तीन शतक से उन्हें पीछे छोड़ देंगे। भारत की ओर से ऋषभ पंत के नाम 6 हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। वहीं डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज की सूची में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 18 शतकों के साथ टॉप पर हैं। वहीं रूट के अलावा कोई बल्लेबाज अभी तक 15 शतक से आगे नहीं आ पाया है। वहीं 13 शतकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे नंबर पर हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में रुट 18 शतक के साथ पहले। वहीं ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 13 शतकों के साथ ही दूसरे व ऑस्ट्रेलिया के ही मार्नस लाबुशेन 11 शतक लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। भारत के रोहित 9 शतक के साथ ही चौथे नंबर पर हैं जबकि श्रीलंका के डी सिल्वा 8 शतक सके साथ ही पांचवें नबर पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 8 शतक के साथ ही छठे जबकि ऑस्ट्रेलिा के उस्मान ख्वाजा के भी 8 शतक हैं और वह भी छठे नंबर पर है।

टेस्ट कप्तान बनाना चाहते हैं रविंद्र जडेजा ?

मुम्बई एजेंसी। भारतीय टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर है। जहां टीम में युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ सबसे अनुभवी खिलाड़ी रवींद्र जडेजा भी है। वह अपने करियर में अब तक 80 से ज्यादा टेस्ट खेल चुके हैं। हालांकि, रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तानी या उपकप्तानी नहीं दी गई। एजबेस्टन टेस्ट के दूसरे दिन जडेजा शतक से चूक गए। उन्होंने 89 रन की पारी खेली और कप्तान शुभमन गिल के साथ 203 रन की पार्टनरशिप भी की। वहीं दूसरे दिन स्टंप के बाद जडेजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की , इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि उनके लिए कप्तान की भूमिका निभाने का समय चला गया है।

नोवाक जोकोविच का बेहतरीन प्रदर्शन, तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ ही बनाया रिकॉर्ड

मुम्बई एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2025 में अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात दी। इसके साथ ही उन्होंने मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए।

विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है। इस दौरान उन्होंने डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात देकर मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिग्गज रोजर फेडरर के नाम था, जिन्होंने 18 बार विबंलडन के तीसरे दौर तक का सफर तय किया था। इस 38 वर्षीय टेनिस स्टार ने अब तक सात विंबलडन खिताब और कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मौके पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 19 बार तीसरे दौर में पहुंचना बेहतरीन है।ये संख्या शायद यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र जितनी है। बता दें कि, पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज की उम्र 22 साल है जबकि दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं। वहीं महिला सिंगल्स कैटेगरी की बात करें तो, सातवीं वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-6 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने एकतरफा मुकाबले में वैरोनिका कुदरमेतोवा को 6-1, 6-2 से हराया।

भारतीय शेयर बाजार में रही हल्की बढ़त

सेंसेस 83,300 और निटी 25,418 के स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार के कारोबारी दिन हल्की तेजी देखने को मिल रही है। निवेशक अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ लागू करने की आखिरी तारीख पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे बाजार में सतर्कता बनी हुई है। बीएसई सेंसेक्स 67 अंकों की बढ़त के साथ 83,307 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 13 अंकों की तेजी के साथ 25,418 पर पहुंच गया। बाजार में बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में 0.3 से 2 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं ट्रेंट, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट देखी गई। ये शेयर अधिकतम 8 फीसदी तक टूटे। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.04 फीसदी की गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.20 फीसदी कमजोर हुआ। फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर के शेयरों में 0.25 फीसदी की तेजी रही।

भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की थी, लेकिन दिन के अंत में बाजार लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार के आखिरी कुछ घंटों में बैंकिंग, मेटल और रियल्टी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी-50 दोनों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर इस खबर पर थी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा 9 जुलाई से लागू किए जाने वाले टैरिफ से राहत मिल सकती है। बीएसई सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत 131 अंकों की बढ़त के साथ की और कारोबार के दौरान यह 83,850.09 के उच्चतम और 83,186.74 के न्यूनतम स्तर तक गया। अंत में सेंसेक्स 170.22 अंक की गिरावट के साथ 83,239.47 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी-50 ने 25,505.10 पर ओपनिंग की और दिनभर के कारोबार में 25,587.50 का उच्च और 25,384.35 का निचला स्तर छुआ। अंत में यह 48.10 अंक की गिरावट के साथ 25,405.30 पर बंद हुआ।

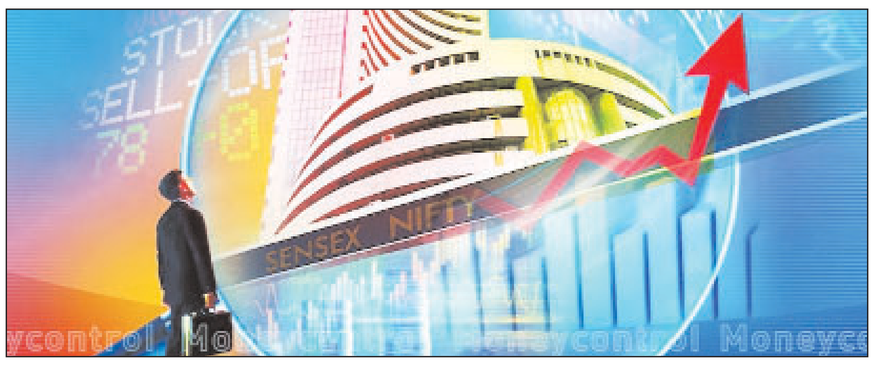

सामाजिक समरसता कार्यक्रम

सायं 6:00 बजे | दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

अपराह्न 4:00 बजे | आई एस बी टी, ग्वालियर

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

ज्योतिरादित्य सिंधिया
केन्द्रीय मंत्री, संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

नरेन्द्र सिंह तोमर
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा

5 जुलाई, 2025

समरस समाज की स्थापना के सतत प्रयास

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की **जन्मभूमि महू, महानिर्वाण स्थल दिल्ली, दीक्षा भूमि नागपुर, चैत्य भूमि मुंबई और शिक्षा स्थल लंदन 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना'** में सम्मिलित

महू को अंतर्राष्ट्रीय स्थल के रूप में विकसित करते हुए **अम्बेडकर इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर एवं स्मारक संग्रहालय का विकास** एवं महू रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर हुआ **अम्बेडकर नगर स्टेशन**

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना - स्व-रोज़गार के लिए डेयरी इकाई लगाने हेतु ₹42 लाख तक ऋण
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना - अनुसूचित जाति के युवाओं को ₹1 लाख तक की स्व-रोज़गार अनुदान सहायता
- डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर उद्योग उदय योजना - एमएसएमई क्षेत्र में अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमियों को वित्तीय सहायता
- अम्बेडकर गौ-शाला विकास योजना - आधुनिक गौ-शालाओं हेतु 125-150 एकड़ शासकीय भूमि आवंटन
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना - अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को 10वीं-12वीं में सर्वोच्च अंक लाने पर ₹30 हजार का पुरस्कार
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रवृत्ति योजना - अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन हेतु अम्बेडकर फैलोशिप
- भोपाल में मध्यप्रदेश के सबसे लंबे फ्लाईओवर का नाम डॉ. अम्बेडकर के नाम पर रखा गया
- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर वन्यजीव अभयारण्य - सागर में 258.64 वर्ग कि.मी. में प्रदेश का 25वां अभयारण्य

D11058/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।